मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, शनिवार, 14 नवंबर 2026

संवत 2083, कार्तिक शुक्ल 5 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 68 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक



4 ▸▸ बिरसा मुंडा- स्वधर्म, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता के प्रतीक

मिजार्पुर की पहचान बचाने से ज्यादा कहानी के साथ न्याय करना जरूरी : गुरमीत ◂◂ 6

खाने- पीने के दौरान खूनी विवाद, दोस्त ने दोस्त की गोली मारकर की हत्या, मुख्य आरोपी गिरफ्तार



संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची के सदर थाना क्षेत्र स्थित गढ़ाटोली में देर रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान तनवीर उर्फ बाबू के रूप में हुई है। हत्या का आरोप उसके ही दोस्त शाहरुख पर है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी शाहरुख को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

खाने-पीने के दौरान शुरू हुआ विवादः प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों दोस्तों के बीच खाने-पीने और आपसी बातचीत को लेकर कहासुनी हुई थी। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने कथित तौर पर तनवीर पर गोली चला दी। गोली लगने से उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

छापेमारी के बाद मुख्य आरोपी गिरफ्तारः मृतक के परिजनों ने शाहरुख पर हत्या का आरोप लगाया था। इसके बाद पुलिस ने संभावित ठिकानों पर छापेमारी की और कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान शाहरुख की संलिप्तता सामने आने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

हत्या में इस्तेमाल हथियार की तलाशः सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार के अनुसार, शुरूआती जांच में खाने-पीने और आपसी बातचीत के दौरान विवाद होने की बात सामने आई है। पुलिस हत्या में इस्तेमाल हथियार की बरामदगी के लिए आरोपी से पूछताछ कर रही है। साथ ही घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

डायन-बिसाही के आरोप में आदिवासी महिला की बेरहमी से हत्या, पोती के सामने वारदात

गिरिडीह के बासाबूदा गांव में सनसनीखेज घटना, पति ने लगाया धारदार हथियार से हमला करने का आरोप

गिरिडीह /मेट्रो रेजः जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बासाबूदा गांव में अंधविश्वास के चलते एक आदिवासी महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोप है कि डायन-बिसाही का आरोप लगाकर महिला और उसके पति के साथ मारपीट की गई। इस दौरान धारदार हथियार से हमला कर महिला की जान ले ली गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

घटना की सूचना मिलते ही एसपी डॉ. बिमल के निर्देश पर एसडीपीओ जीतबाहन उरांव ने अवर निरीक्षक संजय कुमार, गौतम कुमार तथा सहायक अवर निरीक्षक राहुल सिंह और सुबोध कुमार दास को पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर भेजा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

बच्चे की मौत के बाद घर पहुंचे आरोपीः मृतका के पति ने बताया कि उनके गोतिया के एक बच्चे की बीमारी के कारण मौत हो गई थी। इसके बाद शुक्रवार की रात गोतिया के कुछ लोग उनके घर पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने पति-पत्नी को घर से बाहर निकाला और दोनों की बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान महिला पर धारदार हथियार से हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पति ने भी अपने साथ मारपीट किए जाने की बात कही है।

पोती के सामने दादी की हत्याः मृतका की पोती ने बताया कि गोतिया के घर में एक बच्चे की मौत के बाद उनके दादा और चाचा रिश्ते में लगने वाले लोग घर पहुंचे थे। वे उसकी दादी और दादा को घर से बाहर खींचकर ले गए और मारपीट करने लगे। पोती के अनुसार, उसकी आंखों के सामने ही उसकी दादी की हत्या कर दी गई। उसने आरोप लगाया कि डायन कहकर उसकी दादी की जान ली गई। सभी पहलुओं पर जांच कर रही पुलिसः पंचायत समिति सदस्य विकास तिवारी ने भी महिला की हत्या की पुष्टि करते हुए डायन-बिसाही के आरोप में वारदात को अंजाम दिए जाने की बात कही। एसडीपीओ जीतबाहन उरांव ने बताया कि अधेड़ महिला की हत्या की गई है। डायन-बिसाही का आरोप लगाकर हत्या किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किया जा रहा है। शव का पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

होर्मुज में 2 तेल टैंकरों में भीषण धमाके, लगी आग, ईरान का दावा-बारूदी सुरंगों से टकराए जहाज



एजेंसी

तेहरान : ईरान और ओमान के बीच स्थित स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में दो तेल टैंकरों में जोरदार धमाके होने के बाद आग लग गई। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स नेवी (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि दोनों टैंकर समुद्र में बिछाई गई बारूदी सुरंगों से टकरा गए थे। ईरान के सरकारी टीवी ने शुक्रवार को इस घटना की जानकारी दी।

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स नेवी के मुताबिक, दो तेल टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान दोनों जहाज समुद्र में बिछी बारूदी सुरंगों की चपेट में आ गए। टक्कर के बाद टैंकरों में जोरदार धमाके हुए और आग लग गई।

ईरान के सरकारी टीवी के अनुसार, दोनों टैंकरों ने इस समुद्री मार्ग से गुजरने के लिए ईरानी अधिकारियों के साथ आवश्यक तालमेल नहीं किया था। आईआरजीसी ने इसी को दोनों जहाजों के बारूदी सुरंगों की चपेट में आने की वजह बताया है। हालांकि, फिलहाल इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ईरान और ओमान के बीच स्थित एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। यह फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है। सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस इसी रास्ते से दुनिया के दूसरे देशों तक पहुंचाई जाती है।

इस समुद्री मार्ग की चौड़ाई कुछ स्थानों पर काफी कम है, लेकिन इसके बावजूद दुनिया के तेल कारोबार का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। ऐसे में यहां जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से वैश्विक तेल आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों पर असर पड़ सकता है। फिलहाल, दोनों तेल टैंकरों के बारूदी सुरंगों से टकराने की जानकारी ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स नेवी की ओर से दी गई है। ईरान के सरकारी टीवी ने भी इसी दावे को प्रसारित किया है।

खूंटी में पेट्रोल पंप कर्मी को मारी गोली अपराधियों ने पर्चा छोड़ मांगी रंगदारी

-अपाचे बाइक से पहुंचे थे तीन अपराधी, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

संवाददाता

खूंटीः जिले के गुटजोरा पंचायत अंतर्गत जियारप्पा सीमा क्षेत्र में रांची-खूंटी मुख्य मार्ग स्थित पुष्पा फ्यूल सेंटर पेट्रोल पंप पर शुक्रवार देर रात गोलीबारी की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। अपाचे बाइक पर सवार होकर पहुंचे तीन अज्ञात अपराधियों ने पेट्रोल पंप के केबिन में घुसकर एक कर्मी को गोली मार दी। इसके बाद संगठन के नाम पर पर्चा छोड़कर रंगदारी की मांग की और रांची की ओर फरार हो गए।

घायल कर्मी की पहचान 25 वर्षीय अमित कुमार के रूप में हुई



है। वह घाघरा गांव का निवासी है और आर्यन साहू के पुष्पा फ्यूल सेंटर में काम करता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शुक्रवार रात करीब नौ बजे हुटार की ओर से अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार तीन अपराधी पेट्रोल पंप पहुंचे। केबिन में घुसकर उन्होंने अमित पर तीन गोलियां चलाईं, जिनमें से एक उसके पैर में लगी।

गोली लगने के बाद स्थानीय लोगों और पंप कर्मियों की मदद से उसे सदर अस्पताल, खूंटी पहुंचाया गया। चिकित्सकों के अनुसार, उसकी स्थिति खतरे से बाहर है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिसः वारदात के बाद अपराधियों ने काउंटर पर एक पर्चा छोड़ा, जिसमें संगठन को सहयोग करने की बात लिखी हुई थी। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ मंगल सिंह जमुदा और खूंटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से रंगदारी का पर्चा और तीन खोखे बरामद किए हैं। पेट्रोल पंप में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। खूंटी थाना प्रभारी बाबू बंशी साव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले का अनुसंधान जारी है। अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। घटना के बाद आसपास के व्यवसायियों और ग्रामीणों में भय का माहौल है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने छठ व्रतियों को दीं खरना की शुभकामनाएं, सुख-समृद्धि की कामना की

संवाददाता

रांचीः लोकआस्था के महापर्व छठ की छटा पूरे झारखंड में बिखरने लगी है। चार दिनों तक चलने वाले इस पावन पर्व के दूसरे दिन शनिवार को खरना मनाया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के सभी छठ व्रतियों और उनके परिवारजनों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भगवान भास्कर और छठी मईया से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने की कामना की। मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट साझा कर छठ महापर्व की महत्ता और इससे जुड़ी लोकआस्था की परंपराओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व



केवल आस्था और उपासना का पर्व नहीं है, बल्कि यह परिवार के प्रति समर्पण, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सूर्योपासना की अद्भुत परंपरा का प्रतीक भी है।

उन्होंने कहा कि छठ व्रतियों का कठिन तप, त्याग और निर्जला उपवास उनकी अटूट श्रद्धा, आस्था और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने भगवान भास्कर और छठी मईया से सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की। उन्होंने अपने संदेश का समापन 'जय छठी मईया' के उद्घोष के साथ किया।

खरना के दिन छठ व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास रखकर शाम को विधि-विधान से भगवान भास्कर और छठी मईया की पूजा-अर्चना करते हैं। इसके बाद गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण किया जाता है। खरना के साथ ही करीब 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत शुरू हो जाता है, जिसका समापन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ होता है।

महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप पर सीबीआई का बड़ा एक्शन, छह राज्यों में 33 ठिकानों पर छापेमारी

- सौरभ चंद्राकर से पूछताछ में मिले इनपुट पर कार्रवाई, लाइव बेटिंग पैनल बंद, मोबाइल, डिजिटल डिवाइस और दस्तावेज जब्त

एजेंसी

नई दिल्लीः अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म महादेव ऑनलाइन बुक ऐप के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार, 14 नवंबर को एजेंसी ने छह राज्यों में 33 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई ऐप के पैनल ऑपरेटरों से जुड़े ठिकानों पर की गई। तलाशी के दौरान लाइव बेटिंग और जुए के पैनल संचालित होते मिले, जिन्हें बंद करा दिया गया। एजेंसी ने मोबाइल फोन, डिजिटल डिवाइस और आपत्तिजनक दस्तावेज भी जब्त किए हैं।

सीबीआई के अनुसार, ओमान



से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद इस मामले के प्रमुख आरोपी और प्रमोटर सौरभ चंद्राकर से पूछताछ में मिले इनपुट के आधार पर तलाशी अभियान चलाया गया। जांच के दौरान ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जिनसे म्यूल बैंक खातों और हवाला नेटवर्क के इस्तेमाल की जानकारी सामने आई है।

सौरभ चंद्राकर से पूछताछ में सामने आया नेटवर्कः सौरभ चंद्राकर को ओमान से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद एक नवंबर को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद रायपुर की विशेष अदालत ने पूछताछ के लिए उसे आठ दिनों की पुलिस हिरासत में भेजा था। अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ में अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के संचालन और देशभर में फैले पैनल ऑपरेटरों के नेटवर्क से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां मिलीं। जांचकर्ताओं ने उसके सामने दस्तावेजी रिकॉर्ड और डिजिटल साक्ष्य भी रखे। विदेश से संचालित होता था सट्टेबाजी का नेटवर्कः छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपे जाने के बाद सीबीआई ने महादेव ऑनलाइन बुक ऐप मामले में दो एफआईआर दर्ज की थीं। अब तक की जांच में सामने आया है कि इस प्लेटफॉर्म का संचालन विदेश स्थित मुख्यालय के जरिए किया जाता था। भारत में पैनल ऑपरेटरों का बड़ा नेटवर्क इसके लिए काम करता था।

ये ऑपरेटर ग्राहकों की आईडी संभालते थे और सट्टेबाजी की रकम ऐसे बैंक खातों में जमा कराते थे, जो कथित तौर पर दूसरे लोगों के नाम पर खोले गए थे या किराये पर लिए गए थे। इसके बाद मुनाफे की रकम हवाला के माध्यम से विदेश भेजी जाती थी।

19 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में चंद्राकरः पुलिस हिरासत पूरी होने के बाद 12 नवंबर को सौरभ चंद्राकर को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे 19 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सीबीआई अब अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है। इनमें विदेश से नेटवर्क संचालित करने वाले लोग, सट्टेबाजी गतिविधियों में सहयोग करने वाले व्यक्ति और कथित तौर पर मामले से जुड़े सरकारी कर्मचारी भी शामिल हैं।

एजेंसी फरार आरोपियों के प्रत्यर्पण के लिए भी प्रयास कर रही है। सीबीआई ने आम लोगों को आगाह किया है कि ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ गैरकानूनी गतिविधियां हैं। ऐसी गतिविधियों के लिए अपना बैंक खाता, सिम कार्ड या पहचान संबंधी दस्तावेज किसी अन्य व्यक्ति को देना अथवा किराये पर उपलब्ध कराना भी अपराध है। ऐसा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पटना जिला प्रशासन ने लॉन्च किया डिजिटल वेब ऐप

एजेंसी

पटना : बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की पहल पर पटना जिला प्रशासन ने छठ महापर्व 2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए एक विशेष डिजिटल व्यवस्था तैयार की है। इसके तहत 'छठ पूजा पटना डॉट कॉम' (ूँइँस्र४ंनंस्र३ल्लं.ङ्ब्रे) नाम से आधिकारिक वेब ऐप विकसित किया गया है। इस ऐप के माध्यम से श्रद्धालुओं को छठ घाटों की स्थिति, शौचालय, वस्त्र बदलने के कक्ष, पेयजल, पार्किंग और सुरक्षा इंतजामों सहित सभी जरूरी जानकारियां एक क्लिक पर उपलब्ध होंगी। इस ऐप की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह इंटरनेट नेटवर्क उपलब्ध नहीं होने पर भी काम करेगा। इससे घाटों पर नेटवर्क की समस्या के बावजूद श्रद्धालु जरूरी जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे। डिजिटल तकनीक के माध्यम से छठ महापर्व को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक बनाने की दिशा में इसे जिला



प्रशासन की महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। जिला प्रशासन ने इस वर्ष छठ के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 607 अस्थायी शौचालय, 560 यूरिनल, 453 वस्त्र बदलने के कक्ष और 321 नाव एवं नाविकों की व्यवस्था की है। सुरक्षा के लिए 432 गोताखोरों के साथ राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की नौ और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की आठ टीमें तैनात रहेंगी। वेब ऐप खोलते ही श्रद्धालुओं को पटना के छठ घाटों का नक्शा दिखाई देगा। इसके माध्यम से वे अपने आसपास के घाटों की स्थिति और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। ऐप पर 90 सुरक्षित घाट, आठ खतरनाक घाट और सात अनुपयुक्त घाट चिह्नित किए गए हैं। इसके अलावा नौ प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, 19 सहायता केंद्र, 25 शौचालय स्थल, 27 वस्त्र बदलने के कक्ष, 14 पेयजल केंद्र और 46 पार्किंग स्थलों की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई है।ऐप की एक अन्य महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह श्रद्धालुओं को सुरक्षित घाटों तक पहुंचने में मदद करेगा। खतरनाक और अनुपयुक्त घोषित घाटों के लिए ऐप पर मार्ग का नक्शा उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, ताकि श्रद्धालु अनजाने में जोखिम वाले स्थानों पर न पहुंचें।

खूंटी में हॉस्टल निर्माण स्थल पर पीएलएफआई का हमला, राजमिस्त्री से मारपीट कर मांगी लेवी

दो दिन में निर्माण राशि का 10 प्रतिशत देने की धमकी, संवेदक को पर्चा थमाया

संवाददाता

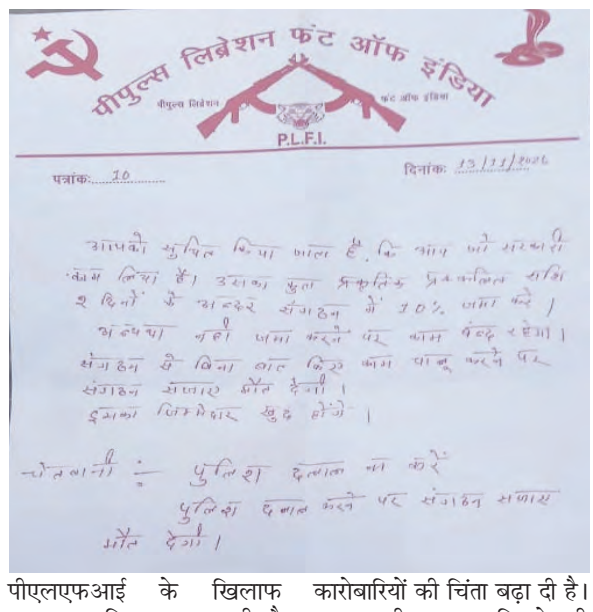
खूंटी/तपकरा : जिले के तपकरा थाना क्षेत्र के कमड़ा स्थित अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय परिसर में बन रहे 50 बेड के हॉस्टल निर्माण कार्य में अपराधियों ने दहशत फैलाने की कोशिश की। शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे बाइक पर सवार होकर पहुंचे पीएलएफआई के तीन हथियारबंद सदस्यों ने निर्माण स्थल पर काम कर रहे एक राजमिस्त्री के साथ मारपीट की और लेवी की मांग करते हुए धमकी भरा पर्चा थमा दिया।



प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हथियारबंद अपराधियों ने राजमिस्त्री को थप्पड़ मारा और संगठन के नाम से जारी पर्चा सौंपकर मौके से फरार हो गए। यह पर्चा दक्षिण छोटानागपुर के जोनल कमांडर अनल दा के नाम से जारी किया गया है।

दो दिनों में 10 प्रतिशत लेवी देने की धमकीः पर्चे में संवेदक को चेतावनी दी गई है कि सरकारी निर्माण कार्य की कुल राशि का 10 प्रतिशत हिस्सा दो दिनों के भीतर संगठन को जमा किया जाए। साथ ही संगठन से बातचीत किए बिना काम जारी रखने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई है। पर्चे में पुलिस का सहयोग नहीं करने की चेतावनी भी दी गई है।

गौरतलब है कि खूंटी पुलिस पिछले कुछ समय से पीएलएफआई के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है और कई उग्रवादियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इसके बावजूद तपकरा क्षेत्र में अनल दा के नाम से पर्चा जारी कर लेवी मांगने की घटना ने संवेदकों और स्थानीय कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है। घटना की सूचना मिलते ही तपकरा थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अपराधियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है।



पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया
P.L.F.I.
पत्रांक: 10 दिनांक: 13/11/2026
आपको सूचित किया जाता है कि आप जो सरकारी काम लिया है। उसका पुरा प्राक्कलित राशि 2 दिनों के अन्दर संजोहन में 10% जमा करें। अन्यथा नहीं जमा करने पर काम बंद रहेगा। संजोहन के बिना आप किसी काम पानू करने पर संजोहन सजाए मौत देंगे। इसका जिम्मेदार खुद होंगे।
चेतावनी :- पुलिस दलाल ना करे पुलिस दलाल करने पर संजोहन सजाए मौत देंगे।

प्राथमिक शिक्षकों की पदोन्नति का रास्ता साफ, जिले जारी कर सकेंगे वरीयता सूची

ग्रेड-1 से ग्रेड-4 में प्रोन्नति के लिए राज्य मुख्यालय से अलग निर्देश लेने की जरूरत नहीं

संवाददाता

रांची : झारखंड के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है। अब ग्रेड-1 से ग्रेड-4 में प्रोन्नति के लिए जिलों को राज्य मुख्यालय से अलग निर्देश लेने की आवश्यकता नहीं होगी। प्राथमिक शिक्षा निदेशक मनोज कुमार रंजन ने स्पष्ट किया है कि जिला स्थापना समिति अपने स्तर से शिक्षकों की वरीयता सूची तैयार कर उसे सार्वजनिक कर सकती है।

जिला स्थापना समिति को मिला अधिकारः झारखंड प्रगतिशील शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष आनंद किशोर साहू के नेतृत्व में प्राथमिक शिक्षा निदेशक मनोज कुमार रंजन से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने ग्रेड-1 से ग्रेड-4 में प्रोन्नति के साथ ग्रेड-1 से ग्रेड-2 में कालबद्ध



प्रोन्नति और अंतरजिला स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू करने की मांग रखी।

इस पर निदेशक ने बताया कि शिक्षकों की वरीयता सूची तैयार करने और प्रकाशित करने का अधिकार जिला स्थापना समिति के पास है। संबंधित शिक्षक अपने जिले के जिला शिक्षा अधीक्षक से संपर्क कर नियमानुसार प्रक्रिया आगे बढ़ा सकते हैं।

अड़चन आने पर निदेशालय करेगा मार्गदर्शनः निदेशक ने आश्वस्त किया कि यदि किसी जिले में तकनीकी या अन्य कारणों से पदोन्नति प्रक्रिया आगे बढ़ाने में परेशानी आती है, तो इसकी लिखित जानकारी प्राथमिक शिक्षा निदेशालय को दी जा सकती है। निदेशालय मामले की समीक्षा कर आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगा।

वहीं, ग्रेड-7 में प्रोन्नति का मामला फिलहाल झारखंड हाईकोर्ट में विचाराधीन है। इसलिए इस संबंध में वर्तमान स्थिति यथावत रहेगी। अंतरजिला और अंतर्जिला स्थानांतरण के मामले में संबंधित विभाग से मार्गदर्शन मांगा गया है। विभाग से जवाब मिलने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

मुंबई का रेल टिकट दलाल गिरफ्तार, 1.74 लाख रुपये के 31 टिकट बरामद

117 यात्रियों के लिए तीन दिनों में बुक कराए थे टिकट, प्रति टिकट 2 से 3 हजार रुपये अधिक वसूलने की थी तैयारी

गिरिडीहः रेलवे सुरक्षा बल की अपराध गुप्तचर शाखा (सीआईबी) और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने टिकटों की कालाबाजारी के आरोप में मुंबई के एक रेल टिकट दलाल को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 117 यात्रियों के लिए बुक कराए गए 31 ओपनिंग डेट टिकट बरामद किए गए हैं। इन टिकटों की कुल कीमत 1,74,630 रुपये है। पुलिस ने आरोपी के पास से दो मोबाइल फोन और 6,900 रुपये नकद भी जब्त किए हैं।

जानकारी के अनुसार, सीआईबी धनबाद, गोमो आरपीएफ और मधुवन थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त कार्रवाई की। टीम ने मधुवन स्थित सिद्धायतन चैरिटेबल स्पिरिचुअल होम धर्मशाला के कमरा नंबर 226 में छापेमारी कर 33 वर्षीय भाविक जसवंत राय सूचक को गिरफ्तार किया। आरोपी मुंबई के मलाड पश्चिम का रहने वाला है। उसने पिछले तीन दिनों में मधुवन जैसे छोटे रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर से विभिन्न लंबी दूरी की ट्रेनों के टिकट खरीदे थे।

ओपनिंग डेट टिकट के जरिए कालाबाजारीः पूछताछ में आरोपी ने बताया कि तत्काल टिकटों की बुकिंग पर आरपीएफ की कड़ी निगरानी और सख्त नियमों के कारण उसने ओपनिंग डेट टिकटों का रास्ता चुना। यात्रा की तारीख से 60 दिन पहले अग्रिम बुकिंग शुरू होते ही ट्रेनों की सीटें तेजी से भर जाती हैं। इसी का फायदा उठाकर वह छोटे स्टेशनों से टिकट बुक कराता था और जरूरतमंद यात्रियों को प्रति टिकट 2,000 से 3,000 रुपये अधिक लेकर बेचने की तैयारी में था।

त्योहारी सीजन में ट्रेनों में टिकटों की बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल प्रमुख स्टेशनों पर निगरानी कर रहा है। इसी से बचने के लिए दलाल छोटे और ग्रामीण रेलवे स्टेशनों से टिकट बुक कराने का तरीका अपना रहे हैं।

नहाय खाए के बाद आज खरना पुजा



मुरी : गत दिन नहाय खाए के साथ चारो तरफ जहाँ जहाँ छठ पुजा हो रही हैं वहाँ वहाँ छठ माईया के लोक गीत गूंज रही हैं। बजारों में छठ सामग्री के क ई दुकान लगे हैं। डाब नीबु, ईख, केला, फल समेत सभी जरुरी सामग्री बाजार में उपलब्ध है। चक्की भी साफ सफाई के बाद गेंहु की पिसाई की जा रही है। मुरी के उरंगढा नदी, स्वर्ण रेखा नदी, सिल्ली के साहेब बांध में धाट सज धज कर तैयार है। आज खरना पूजा को लेकर तैयारी की जा रही है।

छठ पर्व को लेकर प्रशासन सतर्क, घाटों और प्रमुख चौक-चौराहों पर तैनात होगा अतिरिक्त पुलिस बल

बेतला : लोक आस्था के महापर्व छठ को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने को लेकर विधायक रामचंद्र सिंह ने बरवाडीह के एसडीपीओ बिरेंद्र कुमार राम के साथ बैठक की। बेतला नेशनल पार्क रोड स्थित कुटमू चौक पर हुई बैठक में छठ घाटों की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी। छठ घाटों की व्यवस्था का लिया जायजाः बैठक के दौरान विधायक ने छठ घाटों की वर्तमान स्थिति और पर्व के दौरान उमड़ने वाली संभावित भीड़ की जानकारी ली। उन्होंने प्रशासन से सभी संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने और यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने की अपील की।व्रतियों की सुविधाओं का रखा जाये ध्यानः विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था और संस्कृति का प्रतीक है। पर्व के दौरान छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए घाटों पर पर्याप्त रोशनी, साफ-सफाई और अन्य जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए।

किसानों के बीच धान कटनी हसुए का मातृभूमि सेवा संस्थान ने किया वितरण



संवाददाता

मुरी : सिल्ली विधानसभा के ग्राम मिसिरहोटागं हलमाद में मातृभूमि सेवा संस्थान की ओर से हंसुए वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वितरण कार्यक्रम मुखिया प्रतिनिधि राहुल करमाली के हाथों ने मिसिरहोटागं मे 125 हंसुए हलमाद में 90 हसुवे का वितरण किया गया। राहुल ने कहा है आने वाले दिनों में की। किसानों की जरूरत के लिए मातृ भूमि सेवा संस्थान तैयार रहेगी ।

झारखंड के 24 जिलों में बनेंगी 12,500 किलोमीटर सड़कें

गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने की तैयारी

पूर्वी सिंहभूम में सबसे अधिक 1,400 और पलामू में 1,100 किलोमीटर सड़क निर्माण का लक्ष्य

संवाददाता

रांची : झारखंड में ग्रामीण सड़क संपर्क को मजबूत बनाने के लिए विकसित भारत जीरामजी योजना के तहत राज्य के सभी 24 जिलों में 12,500 किलोमीटर जीएसबी (ग्रेन्युलर सब-बेस) सड़कों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ग्रामीण विकास विभाग ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। योजना के तहत सड़क सुविधा से वंचित ग्रामीण बस्तियों को मुख्य मार्गों से जोड़ा जाएगा। इससे ग्रामीणों को बाजार, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में सहूलियत



होगी।

सड़क से वंचित बस्तियों को मिलेगी प्राथमिकताः योजना के तहत उन ग्रामीण बसावटों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है, जो अब तक किसी मुख्य सड़क से नहीं जुड़ पाई हैं। ऐसी बस्तियां, जिन्हें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृति नहीं मिली है, उन्हें इस योजना में शामिल कर सड़क संपर्क उपलब्ध कराया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण से लोगों का आवागमन आसान होगा। ग्रामीणों को स्थानीय बाजारों तक पहुंचने, रोजगार के अवसर तलाशने तथा चिकित्सा और शिक्षा जैसी आवश्यक सेवाओं का लाभ लेने में सुविधा मिलेगी। किसानों को भी अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में सहूलियत होगी।

जिलावार सड़क निर्माण का लक्ष्यः योजना के तहत पूर्वी सिंहभूम में सर्वाधिक 1,400 किलोमीटर सड़क बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद पलामू में 1,100 किलोमीटर, गढ़वा में 1,000 किलोमीटर, चतरा में 850 किलोमीटर और लातेहार में 800 किलोमीटर सड़कें बनाई जाएंगी।

पश्चिमी सिंहभूम में 750 किलोमीटर और हजारीबाग में 700 किलोमीटर सड़क निर्माण का लक्ष्य है। बोकारो और गोड्डा में 600-600 किलोमीटर, लोहरदगा और सिमडेगा में 500-500 किलोमीटर सड़कें बनाई जाएंगी।

देवघर, खूंटी, जामताड़ा और सरायकेला-खरसावां में 400-400 किलोमीटर तथा गुमला और गिरिडीह में 350-350 किलोमीटर सड़क निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

वहीं, रांची और पाकुड़ में 300-300 किलोमीटर, दुमका और धनबाद में 200-200 किलोमीटर तथा साहिबगंज और कोडरमा में 150-150 किलोमीटर सड़कें बनाई जाएंगी। रामगढ़ में सबसे कम 100 किलोमीटर सड़क निर्माण का

न्यूज IN ब्रीफ

कुटमू चौक पर फिर स्थापित होगी राजा मेदिनी राय की प्रतिमा



बेतलाः बेतला नेशनल पार्क रोड स्थित कुटमू चौक पर चेरो वंश के प्रतापी शासक राजा मेदिनी राय की क्षतिग्रस्त प्रतिमा का जीर्णोद्धार पूरा हो गया है। विधायक रामचंद्र सिंह की पहल पर प्रतिमा की मरम्मत कर उसे फिर से भव्य स्वरूप दिया गया है। रविवार को समारोह आयोजित कर प्रतिमा का विधिवत लोकार्पण किया जायेगा।

प्रतिमा क्षतिग्रस्त होने से लोगों में था आक्रोशः बीते दिनों राजा मेदिनी राय की प्रतिमा क्षतिग्रस्त होकर खंडित हो गयी थी। इस घटना से स्थानीय लोगों और चेरो समाज के लोगों में काफी नाराजगी थी। लोगों ने प्रतिमा की जल्द मरम्मत कराने की मांग उठायी थी।

विधायक की पहल पर कराया गया जीर्णोद्धारः स्थानीय लोगों की भावनाओं और ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण को देखते हुए विधायक रामचंद्र सिंह ने मामले का संज्ञान लिया। उनकी पहल पर प्रतिमा की मरम्मत और जीर्णोद्धार का काम शुरू कराया गया। कुशल कारीगरों ने क्षतिग्रस्त प्रतिमा को फिर से आकर्षक स्वरूप प्रदान किया। साथ ही प्रतिमा स्थल के आसपास साफ-सफाई, रंग-रोगन और सौंदर्यीकरण का कार्य भी कराया गया है।

रविवार को होगा लोकार्पण समारोह

: रविवार को प्रतिमा स्थल पर लोकार्पण समारोह आयोजित किया जायेगा। इसमें विधायक रामचंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह को लेकर स्थानीय लोगों और चेरो समाज के प्रबुद्धजनों में उत्साह है। कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इसमें बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

ड्रग्स तस्करी के अंतरराज्यीय सिंडिकेट पर एटीएस का शिकंजा, पंजाब तक जुड़े तार



रांची : हावड़ा-भोपाल एक्सप्रेस से करीब एक करोड़ रुपये के मादक पदार्थों की बरामदगी के मामले में झारखंड आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने जांच तेज कर दी है। अब तक की छानबीन में तस्करी के इस नेटवर्क के तार पंजाब से जुड़ते दिखाई दे रहे हैं। सिंडिकेट के सरगनाओं तक पहुंचने के लिए एटीएस ने राज्य के सभी जिलों के एसएसपी और एसपी को पत्र भेजकर पंजाब तथा आसपास के राज्यों में सक्रिय तस्करों का आपराधिक रिकॉर्ड और पता मांगा है।

पंजाब के तस्करों का जुटाया जा रहा ब्योराः एटीएस ने संबंधित जिलों के पुलिस अधिकारियों से चिह्नित तस्करों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और उनके आपराधिक इतिहास की जानकारी मांगी है। साथ ही उनके पते का सत्यापन भी कराया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद एटीएस संगठित अपराध से संबंधित धाराओं के तहत आगे की कार्रवाई कर सकती है।

2023 में बरकाकाना स्टेशन पर हुई थी गिरफ्तारीः यह मामला 25 मई 2023 का है। उस दिन एटीएस और जीआरपी की टीम ने बरकाकाना रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 13026 हावड़ा-भोपाल एक्सप्रेस में छापेमारी की थी। इस दौरान बक्सर निवासी लालू बाबू चौबे और पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना निवासी मीरा चौधरी एवं पार्वती देवी को गिरफ्तार किया गया था।

इस मामले में बरकाकाना रेल थाना में कांड संख्या 04/23 दर्ज किया गया था। आरोपियों के पास से 750 ग्राम एम्फेटामिन पाउडर, 45 ग्राम ब्राउन शुगर, 350 ग्राम हेरोइन मिक्स क्रिस्टल, चार मोबाइल फोन और 10,330 रुपये नकद बरामद किये गये थे।

चार राज्यों में होनी थी मादक पदार्थों की आपूर्तिः पूछताछ में पता चला था कि मध्य प्रदेश से लाये गये मादक पदार्थों की आपूर्ति झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश में की जानी थी। अब जांच में इस नेटवर्क का संपर्क पंजाब से जुड़ता दिख रहा है। एटीएस अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क के अन्य सदस्यों और सरगनाओं तक पहुंचने के लिए जांच में जुटी है।

गीत-संगीत और नृत्य से विद्यार्थियों ने बांधा समां, झारखंडी संस्कृति की दिखी झलक

रांची : उसुलाइन इंटर कॉलेज, रांची एवं राजाउलातू का ग्रैंड एनुअल मीट-2026 शुक्रवार को कॉलेज परिसर में उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गीत-संगीत और नृत्य के माध्यम से झारखंड की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और पहचान को खूबसूरती से प्रस्तुत किया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने की अपीलः कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष प्राणेश सॉलोमन ने छात्राओं को महापुरुषों की जीवनी पढ़ने और उनके संघर्षों से प्रेरणा लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि हर सफल व्यक्तित्व की शुरूआत स्कूल से होती है। छात्राएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर जीवन में आगे बढ़ें और अपने लक्ष्य को हासिल करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी शिक्षा के लिए सहयोग करने को हमेशा तत्पर है। आदिवासी नृत्य और करमा गीत ने मोहा मनः साइंस स्ट्रीम की छात्राओं ने 'मेरे जीवन की धड़कन, तेरी ज्योति की ज्वाला' गीत प्रस्तुत कर आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश दिया। वहीं, शिक्षिका निराली लकड़ा ने विद्यार्थियों को झारखंड स्थापना दिवस के महत्व की जानकारी दी।

आदिवासी समूह नृत्य में कॉलेज की छात्राओं और राजाउलातू के विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुति दी। 'मीठा मधुर बोली है हमर पहचान, आदिवासी हके हमर देश के शान' और 'जे नाची से बाची' जैसे गीतों के माध्यम से झारखंड की संस्कृति, वेशभूषा और परंपराओं को जीवंत किया गया। लाल पाड़ साड़ी में करमा गीत पर थिरकती छात्राओं ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

नेशनल सिम्बॉलिक डांस से दिखायी राष्ट्रीय पहचानः कॉमर्स स्ट्रीम के विद्यार्थियों ने नेशनल सिम्बॉलिक डांस के माध्यम से देश के राष्ट्रीय पशु, पक्षी, फूल और खेलों को दर्शाया। कार्यक्रम के मंच को भी विद्यार्थियों ने अपने आकर्षक क्राफ्ट वर्क से सजाया था।

एक्वा वर्ल्ड को हाईकोर्ट से बड़ी राहत राज्य सरकार की अपील खारिज

कोविड काल के लीज रेंट में छूट के अनुरोध पर दोबारा विचार करने का एकल पीठ का आदेश बरकरार



संवाददाता

रांची: झारखंड हाईकोर्ट ने रांची की साझेदारी फर्म एक्वा वर्ल्ड को बड़ी राहत देते हुए कोविड-19 महामारी के दौरान लीज रेंट में छूट या माफी के अनुरोध पर पुनर्विचार करने के एकल पीठ के आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी है। मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति अनुभा रावत चौधरी की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाया।

मामले में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव तथा मत्स्य पालन निदेशक ने एकल पीठ के आदेश को चुनौती देते हुए लेटर्स पेटेंट अपील (एलपीए) दायर की थी। एकल पीठ ने राज्य सरकार को एक्वा वर्ल्ड की ओर से कोविड-19 महामारी से प्रभावित अवधि के लीज रेंट में छूट या माफी देने के अनुरोध पर दोबारा विचार करने का निर्देश दिया था। फर्म की ओर से उसके साझेदार प्रतुल शाहदेव ने याचिका दायर की थी।

राज्य सरकार ने अपील दाखिल करने में हुई 48 दिनों की देरी को माफ कराने के लिए इंटरलोक्यूटरी एप्लीकेशन (आईए) भी दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने कहा कि सामान्य परिस्थितियों में देरी माफ करने से पहले प्रतिवादी को नोटिस जारी किया जा सकता था। हालांकि, इस मामले में एकल पीठ ने केवल सरकार को अनुरोध पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया था। विशेष परिस्थितियों में यह आदेश उचित था।

खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि मामले में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं बनता। जब अपील में ही कोई मेरिट नहीं है, तो पहले देरी माफ कर नोटिस जारी करने और फिर अपील खारिज करने की आवश्यकता नहीं है।

इसके बाद हाईकोर्ट ने अपील दाखिल करने में हुई 48 दिनों की देरी माफ करने की अर्जी के साथ राज्य सरकार की मुख्य अपील भी खारिज कर दी। साथ ही मामले में लंबित अन्य अर्जियों का भी निष्पादन कर दिया।

हाइकोर्ट की एनएचएआइ को दो टूक, कहा- पौधे लगाना ही काफी नहीं, उनकी देखभाल भी जरूरी

बरही-हजारीबाग सड़क किनारे लगाये गये 9,312 पौधों की नियमित निगरानी का निर्देश

रांची: झारखंड हाइकोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) को बरही से हजारीबाग तक सड़क किनारे लगाये गये 9,312 पौधों की नियमित देखभाल और निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि केवल पौधरोपण करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पौधों की सुरक्षा और उनके बेहतर विकास पर भी ध्यान देना जरूरी है। हाइकोर्ट ने एनएच-33 पर बरही से हजारीबाग तक सड़क चौड़ीकरण के दौरान पेड़ों की कटाई और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े दो जनहित मामलों का निष्पादन कर दिया। चीफ जस्टिस और जस्टिस मनोज प्रसाद की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि मामले में उठाये गये अधिकांश मुद्दों पर संतोषजनक कार्रवाई की गयी है। हालांकि, कोर्ट ने एनएचएआइ को पौधों की नियमित देखभाल और निगरानी का निर्देश दिया।

पौधों की दूरी को लेकर उठाया गया था सवाल: प्रार्थी इंद्रजीत सामंता ने पौधों के बीच की दूरी ग्रीन हाइवे नीति-2015 के अनुरूप नहीं होने का मुद्दा उठाया था। इस पर कोर्ट ने उन्हें अपने सुझावों के साथ एनएचएआइ और वन विभाग को प्रतिवेदन देने की छूट दी। साथ ही दोनों विभागों को आपसी समन्वय से इन सुझावों पर विचार करने को कहा।

40.5 किलोमीटर सड़क किनारे लगाये गये 9,312 पौधे: एनएचएआइ की ओर से कोर्ट में दाखिल शपथ पत्र के अनुसार, बरही से हजारीबाग तक 40.5 किलोमीटर सड़क के किनारे कुल 9,312 पौधे लगाये गये हैं। इनमें से 5,912 पौधों को बांस के घेरे से, जबकि 3,400 पौधों को कंटीले तारों से सुरक्षित किया गया है। इसके अलावा सड़क किनारे मौजूद 22,083 पेड़ों की गिनती कर उनकी नंबरिंग भी की गयी है।

आबादी और नालों वाले हिस्सों में भी हुआ पौधरोपण: शपथ पत्र में बताया गया कि आबादी और नालों के कारण जहां पौधरोपण में कठिनाई थी, ऐसे करीब 15 किलोमीटर हिस्से में भी 1,163 पौधे लगाये गये हैं।

गौरतलब है कि दोनों जनहित याचिकाओं में सड़क चौड़ीकरण के दौरान पेड़ों की कटाई रोकने और पर्यावरण संरक्षण के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की गयी थी।

छठ महापर्व का दूसरा दिन आज

खरना के साथ शुरू होगा 36 घंटे का निर्जला व्रत

शाम को पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद ग्रहण करेंगे व्रती, रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य

संवाददाता

रांची: चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के दूसरे दिन शनिवार को खरना मनाया जाएगा। इस अवसर पर व्रती पूरे दिन उपवास रखेंगे और शाम को स्नान कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद भगवान सूर्य और छठी मैया को भोग अर्पित कर प्रसाद ग्रहण करेंगे।

छठ महापर्व की शुरूआत शुक्रवार को पारंपरिक नहाय-खाय के साथ हुई। खरना के दिन व्रती पारंपरिक प्रसाद तैयार करते हैं। इसमें मुख्य रूप से गुड़ की खीर, रोटी और अन्य पकवान शामिल होते हैं। पूजा के बाद प्रसाद परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों के बीच वितरित किया जाता है।

खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद व्रतियों का 36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास शुरू हो जाता है। यह उपवास उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद ही समाप्त होता है।

छठ पर्व केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि



परिवार और समाज की सामूहिक सहभागिता का भी पर्व है। इस दौरान घरों में छठ के पारंपरिक लोकगीत गूंजने लगते हैं। परिवार के सभी सदस्य मिलकर फल, बांस की टोकरियां, सूप और पूजा की अन्य सामग्री जुटाने में सहयोग करते हैं।

नहाय-खाय के दिन व्रती पवित्र स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं। इसके बाद शुद्धता और पवित्रता का विशेष ध्यान रखते हुए भोजन तैयार किया जाता है। पारंपरिक रूप से अरवा चावल, चने की दाल और कद्दू की सब्जी ग्रहण की जाती है।

छठ महापर्व सूर्य देव और छठी मैया की उपासना को समर्पित है। यह पर्व स्वच्छता, संयम, त्याग, अनुशासन और प्रकृति के प्रति सम्मान का संदेश देता है।

श्रद्धा और निष्ठा के साथ समाजसेवी रूबी सिंह ने शुरू किया छठ व्रत

मेट्रो रेज



रांची: लोक आस्था, पवित्रता और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में शुरू हुआ। इस पावन अवसर पर रांची के सिमलिया, रातू निवासी एवं राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह की धर्मपत्नी समाजसेवी रूबी सिंह ने पूरी श्रद्धा, निष्ठा और विधि-विधान के साथ छठ व्रत की शुरूआत की। छठ महापर्व को लेकर उनके आवास पर भक्तिमय माहौल बना हुआ है। चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन व्रत में नहाय-खाय, खरना, अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा निभाई जाती है। व्रती परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली के साथ समाज, राज्य एवं राष्ट्र की उन्नति की कामना करते हैं।

इस अवसर पर समाजसेवी रूबी सिंह ने कहा कि छठ महापर्व हमारी संस्कृति, परंपरा, आस्था और पारिवारिक एकता का प्रतीक है।

रांची में दाह-संस्कार की लकड़ी और अन्य सामग्रियों की दरें होंगी तय, मनमानी वसूली पर लगेगी रोक

नगर निगम गठित करेगा समिति, मुक्तिधामों में सफाई और बुनियादी सुविधाओं को भी किया जाएगा दुरुस्त

संवाददाता



रांची: शहर के मुक्तिधामों और दाह-संस्कार स्थलों पर अब लकड़ी और अन्य आवश्यक सामग्रियों की मनमानी कीमत वसूलने पर रोक लगेगी। रांची नगर निगम इन सामग्रियों की दरें निर्धारित करने की तैयारी कर रहा है। इसे लेकर नगर आयुक्त सुशांत गौरव की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें शहर के सभी दाह-संस्कार स्थलों की मौजूदा स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं और आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गयी।

दरें निर्धारित करने के लिए बनेगी समिति: नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि सभी दाह-संस्कार स्थलों का संचालन निर्धारित वैधानिक प्रावधानों और नियमों के अनुरूप किया जाये। लकड़ी और अन्य आवश्यक सामग्रियों की बिक्री में मनमानी रोकने के लिए उप नगर आयुक्त की अध्यक्षता में समिति गठित की जायेगी।

समिति में सहायक नगर आयुक्त, नगर प्रबंधक, वन विभाग के प्रतिनिधि और संबंधित स्थलों का संचालन कर रहे संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। समिति दाह-संस्कार में इस्तेमाल होने वाली लकड़ी और अन्य जरूरी सामग्रियों की दरें निर्धारित करेगी।

इसके अलावा, निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रत्येक दाह-संस्कार स्थल के संचालन के लिए समिति का चयन किया जायेगा। चयनित समितियों का नगर निगम में पंजीकरण भी कराया जायेगा।

दो पालियों में होगी विशेष सफाई: नगर आयुक्त ने स्वच्छता शाखा को सभी मुक्तिधामों और दाह-संस्कार स्थलों पर प्रतिदिन दो पालियों में विशेष सफाई अभियान चलाने का निर्देश दिया। साथ ही वहां जमा कचरे को पूरी तरह हटाने को कहा, ताकि इन स्थलों पर स्वच्छता बनी रहे।

शेड, बेंच और पहुंच पथ की व्यवस्था होगी दुरुस्त: अभियंत्रण शाखा को सभी दाह-संस्कार स्थलों की जरूरत के अनुसार सिविल कार्य, रंग-रोगन और पहुंच पथ का विकास कराने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा बोल्डर पिचिंग, नये शेड का निर्माण, बेंच लगाने और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा गया।

हरित क्षेत्र की सफाई और दिशा-सूचक बोर्ड भी लगेंगे: हॉर्टिकल्चर शाखा को सभी स्थलों पर घास की कटाई और आसपास के हरित क्षेत्रों की सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वहीं, अंचल की टीमों को मुक्तिधामों और दाह-संस्कार स्थलों तक पहुंचने के लिए आवश्यक स्थानों पर दिशा-सूचक बोर्ड लगाने को कहा गया, ताकि लोगों को वहां पहुंचने में परेशानी न हो।

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक 29 नवंबर को ओडिशा में, अमित शाह करेंगे अध्यक्षता



रांची: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 29 नवंबर को ओडिशा में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 28वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में ओडिशा, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के बीच आपसी समन्वय, सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी।

फास्ट ट्रैक अदालतों के विस्तार पर होगा विचार: बैठक में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ गंभीर अपराधों की त्वरित सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए फास्ट ट्रैक विशेष अदालतों के विस्तार पर विचार किया जाएगा। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार और राज्यों में आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली को मजबूत करने पर भी चर्चा होगी।

पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दे भी एजेंडे में: बैठक के एजेंडे में पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, शहरी नियोजन और सहकारी समितियों से जुड़े विषय भी शामिल हैं। इन क्षेत्रों में बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास की गति तेज करने पर जोर दिया जाएगा।

चार राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारी होंगे शामिल: बैठक में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी समेत संबंधित राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। चारों राज्यों के मुख्य सचिव तथा केंद्र और राज्य सरकारों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में हिस्सा लेंगे।

जिला सूचना एवं जन-सम्पर्क कार्यालय, सिमडेगा
E-Mail ID – iprdsimdega@gmail.com

पत्रांक...../सू0ज0सं0, सिमडेगा दिनांक.....

"आवश्यक सूचना"

सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशालय झारखण्ड, रांची के पत्रांक–3493 दिनांक–27/10/2026 के आलोक में जिला जनसम्पर्क कार्यालय, सिमडेगा के PR No- 392722 द्वारा कलादलों से आवेदन आंमत्रित किया गया था। जिसका कलादलों के स्क्रीनिंग एवं ग्रेडिंग हेतु ऑडिशन तिथि दिनांक–17/11/2026 को पूर्वाहन् 11:00 बजे से नगर भवन, सिमडेगा में निर्धारण किया गया है।

सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, सिमडेगा में आवेदन समर्पित करने वाले सभी कलादलों सूचित किया जाता है कि नगर भवन, सिमडेगा में ऑडिशन हेतु निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होना सुनिश्चित् करेगें।

उप निदेशक
सूचना एवं जनसंम्पर्क कार्यालय,
सिमडेगा

PR 393798 Simdega(26-27) D"

रांची ट्यूशन से लौट रही छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म, दो युवक और एक किशोर गिरफ्तार

सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों से खुला मामला, पुलिस ने कपड़े और मोबाइल फोन किये जब्त



संवाददाता

रांची: रातू थाना क्षेत्र के चटकपुर में सात नवंबर को ट्यूशन से घर लौट रही छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने दो युवकों और एक किशोर को गिरफ्तार किया है। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की गयी। पुलिस ने उनके पास से कपड़े और मोबाइल फोन भी जब्त किये हैं।

गिरफ्तार युवकों की पहचान पंकज लोहरा (22), पिता सुखदेव लोहरा, निवासी सिजों, थाना कुडू, जिला लोहरदगा और अंशु राणा (19), पिता संतोष राणा, निवासी खदहिया, थाना सदर, जिला चतरा के रूप में हुई है। दोनों वर्तमान में रांची के पंडरा और रातू के नवाटोली में रह रहे थे।

सीसीटीवी फुटेज से हुई आरोपियों की पहचान: ग्रामीण एसपी ने प्रेस वार्ता में बताया कि पीड़िता के आवेदन पर आठ नवंबर को अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। एसएसपी के निर्देश पर डीएसपी मुख्यालय-द्वितीय अजय आर्यन के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान दल गठित किया गया।

जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की गयी। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में किशोर ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की और अपने दो साथियों के नाम बताये। इसके बाद दोनों युवकों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कपड़े और मोबाइल फोन जब्त किये हैं। सभी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

आरोपियों के परिजनों ने थाना परिसर में किया हंगामा: इधर, शुक्रवार दोपहर गिरफ्तार आरोपियों के परिजनों ने रातू थाना परिसर में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने आरोप लगाया कि एक जेएसआइ ने केस दर्ज नहीं कराने के नाम पर उनसे मोटी रकम ली थी। उनका दावा था कि घटना के दिन संबंधित पुलिस पदाधिकारी की ड्यूटी चटकपुर में थी।

कांके डैम छठ घाट पर तैयारियां अंतिम चरण में सफाई से लेकर सुरक्षा तक के पुख्ता इंतजाम

बैरिकेडिंग, चेंजिंग रूम और स्वच्छ जल की व्यवस्था; नगर निगम के सहयोग से हटाई गई जलकुंभी



संवाददाता

रांची: लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर राजधानी रांची में उत्साह का माहौल है। चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरूआत नहाय-खाय के साथ हो चुकी है। शुक्रवार को व्रती खरना का अनुष्ठान कर रहे हैं। वहीं, छठ घाटों पर तैयारियां भी अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। रांची के कांके डैम स्थित छठ घाट पर भी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। प्रशासन, नगर निगम, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों के सहयोग से घाटों की साफ-सफाई, सुरक्षा और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। छठ घाट तक पहुंचने वाले रास्तों को भी समतल किया जा रहा है, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो।

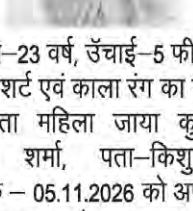
स्थानीय लोग भी अपने स्तर से घाटों का निर्माण कर रहे हैं। कई लोग घाटों पर अपने नाम लिखकर जगह सुरक्षित कर रहे हैं, ताकि अर्घ्य के दौरान उन्हें किसी तरह की असुविधा न हो।

घाटों की सफाई, बैरिकेडिंग और चेंजिंग रूम की व्यवस्थाः इस संबंध में वार्ड संख्या 32 के पार्षद संजय कुमार उर्फ पप्पू सिंह ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी छठ महापर्व को देखते हुए कांके डैम के घाटों की विशेष साफ-सफाई कराई गई है। छठ व्रतियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए घाटों पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा व्रतियों की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम भी बनाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि नगर निगम के सहयोग से डैम से जलकुंभी हटाई गई है। साथ ही पानी में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी कराया गया है, ताकि घाटों को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाया जा सके। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान सुरक्षित एवं सुविधाजनक माहौल उपलब्ध कराना है।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना



नाम–जाया कुमारी, उम्र–23 वर्ष, उँचाई–5 फीट 02 ईंच रंग–गोरा, पहनावा–सफेद रंग टी शर्ट एवं काला रंग का पैंट पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला जाया कुमारी, उम्र–23 वर्ष, पिता–मनोज कुमार शर्मा, पता–किशुनपुर, थाना–सदर, जिला–राँची जो दिनांक – 05.11.2026 को अपने घर से बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में सदर थाना काण्ड सं0 – 22/2026, दिनांक – 05.11.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, सदर, राँची। – 9431102090
थाना प्रभारी, सदर, राँची। – 9431706160
कमेन्द्र कुमार शर्मा। – 9939157719

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची

PR 393818 Police(26-27) D"

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

गर्म होती दुनिया

आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग के गंभीर प्रभावों का त्रास झेल रही है। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा और चक्रवात के बढ़ते क्रम हमारे समय का यथार्थ हैं। यह साल लगातार गर्म साबित हो रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार साल 2026 उपलब्ध मौसम इतिहास के सबसे चार गर्म वर्षों में शुमार है। इस साल सितंबर तक का वैश्विक औसत तापमान पूर्व औद्योगिक काल के मुकाबले 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज हुआ है। इस अप्रत्याशित तापमान वृद्धि की वजह ह्यअलनीनोह्न असर कहा जा रहा है, जिसके दिसंबर तक चरम पर पहुंचने की आशंका है। निस्संदेह दुनिया में अनियंत्रित विकास ने भी तापमान बढ़ाया है, जो मौसम में आने वाले अप्रत्याशित बदलावों का अहम कारक है। अमेरिका समेत तमाम विकसित देशों ने विकास के लक्ष्यों हेतु पर्यावरण के प्रश्न को नजरअंदाज किया है। इंसानी लालच व मुनाफाखोरी के औद्योगिक विकास ने अंधाधुंध कार्बन उत्सर्जन कर-के ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों को बढ़ाया है। लेकिन ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों से उपजी त्रासदी झेल रहे ग्लोबल साउथ के देशों के प्रति अपनी जिम्मेदारी से विकसित देश विमुख हो जाते हैं। इसका सारा बोझ आखिरकार विकासशील व गरीब मुल्कों पर पड़ जाता है। ऐसे विषम हालात में तुर्किये में चल रहे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु शिखर सम्मेलन में उम्मीद की किसी भी किरण पर संदेह के बादल छाए हुए हैं। वैश्विक भू-राजनीतिक हालात संभावना को मुश्किल बना रहे हैं। दुनिया में कई युद्धों और अमेरिका की पर्यावरण संरक्षण नीतियों से विमुखता के चलते सम्मेलन से सार्थक नतीजों की उम्मीद कम ही है। हालांकि, अलनीनो मौसम प्रणाली का असर अभी चरम पर पहुंचना बाकी है, लेकिन नेपाल की भयावह त्रासदी ने आसन्न संकट का चित्र उकेर दिया है। निस्संदेह, ह्यकॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीजह्न यानी सीओपी-31 की अपनी कुछ सीमाएं हैं, जिसमें जलवायु संरक्षण संबंधी बहुपक्षीय सहयोग की कमी और परस्पर विरोधी लक्ष्य शामिल हैं। ऐसे में मानवता को ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों से बचाने की दिशा में एक ईमानदार पहल की जरूरत है। यह हकीकत है कि वर्ष 1850 में वैश्विक तापमान का रिकॉर्ड रखे जाने की शुरूआत के बाद से पिछले 12 साल सबसे गर्म वर्षों में शामिल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने चिंता जतायी है कि ग्यारह साल पहले हुए पेरिस समझौते का यह लक्ष्य कि वैश्विक तापमान में वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखा जाए, अब हासिल न होगा। तभी ह्यकॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीजह्न जैसे सम्मेलनों की सार्थकता को लेकर आलोचना होती है। विश्व समुदाय का निराश होना स्वाभाविक है क्योंकि पिछले दशकों में इस दिशा में बहुत कम प्रगति हुई है। तमाम सरकारें इस मुद्दे पर उदासीन नजर आती हैं। लेकिन इसके बावजूद बढ़ते तापमान और ग्रीनहाउस गैसों के भारी उत्सर्जन से निपटने के लिये ऐसे आयोजनों के जरिये गंभीर चर्चा करने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। ग्लोबल साउथ के देशों के लिये बेहद जरूरी है कि वे अपने अलग-अलग और जटिल हितों के बीच उन उपायों को लागू करें, जिनको लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। साथ ही जीवाश्म ईंधन के स्थान पर नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने में आने वाली लागत को भी रेखांकित करें। तुर्किये में सीओपी-31 ऐसे समय में हो रहा है जब दिल्ली व अन्य कई शहर प्रदूषण के भयावह दौर से गुजर रहे हैं। समाधान बेअसर हैं और लोगों की सांसें घुट रही हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस वायु प्रदूषण को कोविड महामारी की तरह ह्यजन-स्वास्थ्य आपातकालह्न घोषित किया जाए। वैश्विक पर्यावरण संकट के मद्देनजर यही बात तुर्किये शिखर सम्मेलन के संदर्भ में भी बिल्कुल सटीक बैठती है। लेकिन विडंबना यह है कि संपन्न और विकसित देश जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों को लेकर फिक्र का जिक्र तो करते हैं, लेकिन इस संकट के समाधान का हिस्सा नहीं बनना चाहते। दुनिया दशकों से जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान को लेकर चिंता तो जता रही है, लेकिन संकट के समाधान रास्ते स्पष्ट होने के बावजूद गंभीर पहल नहीं की जा रही है। ग्लोबल साउथ के देशों की मांग एक हकीकत है कि जब तक संपन्न व विकसित देश वैश्विक तापमान नियंत्रण के लिये आर्थिक मदद नहीं देते, इस संकट से बाहर निकलना नामुमकिन ही होगा।

फिर दहशत की दस्तक

भारत विरोध को प्राणवायु बनाने वाले पाकिस्तान पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता कि वह भारत पर घात का कोई मौका चूकेगा। पाक प्रायोजित आतंक का चेहरा एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में हुए हालिया आतंकी हमले में उजागर हुआ है। किश्तवाड़ में दो स्पेशल पुलिस अधिकारियों यानी एसपीओ की हत्या और कुलगाम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की पोस्ट पर हमले की हालिया घटनाएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। करीब चौबीस घंटे के भीतर हुई ये घटनाएं बताती हैं कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा हालात अभी भी संवेदनशील बने हुए हैं। ये घटनाएं एक बार फिर याद दिलाती हैं कि सामान्य स्थिति और स्थायी शांति के दावों से इतर इलाके में आतंकवाद के रक्तबीज मौजूद हैं। दुखद ही है कि लापता होने के एक दिन बाद दो स्पेशल पुलिस अधिकारियों के गोलियों से छलनी शव बरामद हुए हैं। वहीं दूसरी ओर सीआरपीएफ की चेकपोस्ट पर हुए हमले में तीन जवान घायल हुए हैं। निस्संदेह,यह हमारी खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों के लिये नई चुनौती है। उल्लेखनीय है कि इससे ठीक एक साल पहले राजधानी में लाल किले के पास एक कार धमाके में ग्यारह लोगों की जान चली गई थी। कालांतर राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनएआई की व्यापक जांच के बाद पता चला था कि विस्फोट की घटना में जम्मू-कश्मीर स्थित पुलवामा के एक डॉक्टर की मुख्य भूमिका रही थी। बहरहाल, जम्मू-कश्मीर में हालिया आतंकी हमलों की सभी राजनीतिक दलों ने निंदा की है। वहीं केंद्र शासित प्रदेश में सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने केंद्र सरकार के उस दावे पर सवाल उठाये हैं, जिसमें कहा गया था कि जम्मू-कश्मीर आतंकवाद से मुक्त हो चुका है। ऐसे वक्त बयानबाजी से आगे बढ़कर खुफिया जानकारी जुटाने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने, सुरक्षा इंतजामों को मजबूत करने और आतंकवाद विरोधी अभियानों में बेहतर सामंजस्य स्थापित करने की सख्त जरूरत है। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि स्थानीय समुदायों की चिंता पर विशेष ध्यान दिया जाए। निस्संदेह, आज के आधुनिक उन्नत तकनीक के युग में आतंकवाद से लड़ाई के लिये तमाम विकल्प सुरक्षा बलों के पास मौजूद हैं। लेकिन स्थानीय समाज में घुल-मिल कर रहने वाले आर्तकियों तक पहुंच बनाने के लिये लोकल संपर्क सूत्रों की बड़ी भूमिका होती है। कोई भी केंद्रीय सत्ता स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना आतंक के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने में असहजता महसूस करेगी। पाकिस्तानी सीमा से लगने वाले दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को इस बात के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि वे बिना किसी भय व दबाव के सुरक्षा एजेंसियों से सहयोग करें। निस्संदेह, आतंकवाद को हराने के लिये उनकी सुरक्षा, उनका भरोसा और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाये रखने के लिये कानून-व्यवस्था व शांति बनाये रखना बेहद जरूरी है। जैसा कि हमने देखा था कि अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद घाटी की आर्थिकी को भारी चोट पहुंची थी। जो अब धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगी थी। देश के विभिन्न भागों व विदेशों से आने वाले पर्यटक बर्फबारी का आनंद लेने लौटने लगे थे।

बिरसा मुंडा- स्वधर्म, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता के प्रतीक

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में आजादी और आदिवासी अस्मिता के प्रतीक बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के रांची जिले के इलिहतु गांव में हुआ था। उनके बचपन का नाम दाउद मुंडा था। बिरसा मुंडा मात्र 25 साल की उम्र में अपने हक और स्वयत्तता के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते हुए शहीद हुए ।

ज्ञानेंद्र त्रिपाठी

अंग्रेजों के दमनकारी शासन के खिलाफ आदिवासी आंदोलन के लोकनायक बिरसा मुंडा की 15 नवंबर 2026 को 151वीं जयंती है। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को अंग्रेजी दासता से मुक्त होकर सम्मान से जीने के लिए प्रेरित किया। झारखंड के सिंहभूमि तथा रांची में रहने वाले मुंडा जनजाति के लोग बिरसा को आज भी भगवाने के रूप में पूजते हैं। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में बिरसा मुंडा एक प्रमुख आदिवासी विद्रोह के नेता रहे हैं। । बिरसा ने आदिवासियों को ब्रिटिश शासन और जमींदारी व्यवस्था के अत्याचारों के खिलाफ जागरूक किया। उन्होंने आदिवासी लोगों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर और सामुदायिक भूमि स्वामित्व से जुड़े अधिकारों से अवगत कराया।

उन्होंने जनजातीय समाज को अपनी परंपराओं की ओर लौटने का संदेश देते हुए जनजातीय समाज में पुनः सांस्कृतिक चेतना का प्रवाह किया। उनका यह प्रयास जनजातीय समाज की राष्ट्रीय अस्मिता को सुरक्षित रखने में एक मील का पत्थर साबित हुआ. यह निडर, निर्भीक, ऊजार्वान नेतृत्व राजनीतिक और सांस्कृतिक आक्रमण के विरुद्ध खड़े होने की ऊर्जा का दीर्घकालीन प्रेरणास्रोत बना।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में आजादी और आदिवासी अस्मिता के प्रतीक बिरसा मुंडा का



जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के रांची जिले के इलिहतु गांव में हुआ था। उनके बचपन का नाम दाउद मुंडा था। बिरसा मुंडा मात्र 25 साल की उम्र में अपने हक और स्वयत्तता के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते हुए शहीद हुए । उनका आरम्भिक जीवन बेहद गरीबी में बीता। उनके पिता के नाम सुगना मुंडा और माता का नाम करमी हटू था।

बिरसा के माता-पिता घुमंतू खेती के द्वारा अपना गुजर-बसर करते थे। बचपन में बिरसा भेड़ों को चराने जंगल जाया करते थे और वहां बांसुरी बजाते थे। बिरसा बहुत अच्छी बांसुरी बजाते थे। इसके साथ ही उन्होंने कद्दू से एक तार वाला वादक यंत्र तुइला का भी निर्माण किया था। गरीबी के चलते बिरसा के माता-पिता ने उन्हें उनके मामा के पास अयुबत्तु गांव स्कूली शिक्षा के लिए भेज दिया ,जहां बिरसा के शिक्षक ने उनकी पढाई में रूचि देख कर उन्हें क्रिश्चयन स्कूल में जाने जा सुझाव दिया।

यह वह दौर था जब क्रिश्चियन स्कूल में केवल ईसाई बच्चे ही पढ़ते थे, जिसके चलते बिरसा ने ईसाई धर्म को स्वीकार कर लिया और अपना नाम बदलकर डेविड रख लिया। बिरसा ईसाई स्कूल को छोड़ने के बाद हिंदू धर्म के प्रभाव में आ गए, जिसके बाद वो ईसाई धर्म परिवर्तन का विरोध करने के साथ ही आदिवासियों में जागरूकता फैलाने लगे। दरअसल उसी समय इस इलाके में रेल लाइनें बिछाने का काम चल रहा था। अंग्रेजों द्वारा आदिवासियों का शारीरिक और चारित्रिक शोषण किया जा रहा था। आदिवासियों को ईसाई धर्म में परिवर्तन करने के लिए मजबूर किया जा रहा था। बिरसा ने सरकार की इन नीतियों का जमकर विरोध किया। लोगों को अपने धर्म का ज्ञान दिया, गौ हत्या का विरोध किया।

विद्रोह का बिगुल : बिरसा ने लगान माफी को लेकर अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन किया। बिरसा ने आदिवासियों की एक सेना बनाकर अंग्रेजों के खिलाफ छापामार लड़ाई शुरू की। 1897 से 1900 के बीच मुंडा आदिवासियों ने बिरसा के नेतृत्व में छापामार लड़ाई से अंग्रेजों की नाक में दम कर दिया। 1895 में बिरसा मुंडा को दंगा करने के आरोप में गिरफ्तार करके 2 साल के कारावास की सजा सुनाई गई। जेल से रिहा होने के बाद भी बिरसा ने अपनी गतिविधियां जारी रखीं। वह गांव-गांव जाकर खुद के नेतृत्व में एक मुंडा राज्य की स्थापना करने के लिए समर्थन जुटाने लगे। अगस्त 1897 में बिरसा और उसके चार सौ सिपाहियों ने तीर कमानों से लैस होकर खूंटी थाने पर धावा बोला। 1898 में तांगा नदी के किनारे बिरसा ने अंग्रेजी सेना पर हमला किया और अंग्रेजों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। बाद में अतिरिक्त अंग्रेजी सेनाओं के आने के बाद आदिवासियों की पराजय हुई और कई आदिवासियों को गिरफ्तार कर लिया गया। 3 फरवरी 1900 को अंग्रेजी सेना ने बिरसा को उसके समर्थकों के साथ चक्रधरपुर जंगल से गिरफ्तार कर लिया। कैद के दौरान बिरसा की जेल में संदेहास्पद अवस्था में 9 जून 1900 को मौत हो गई। अंग्रेजी सरकार ने बताया कि हैजा के चलते बिरसा की मौत हुई है। हालांकि आज तक यह स्पष्ट नहीं है कि बिरसा की मौत कैसे हुई। बिरसा ने मात्र 25 साल की उम्र में देश के लिए शहीद होकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई को प्रेरित किया। मुंडा आदिवासी बिरसा को आज भी धरती बाबा के नाम से पूजते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एच.वी. शेषाद्रि : एक व्यक्ति, एक विचार और राष्ट्रसमर्पण की अविराम साधना

बेंगलुरु में जन्मे शेषाद्रि जी की जन्मशताब्दी (वर्ष 2026) इस साल मनाई जा रही है। यह अवसर उस विचार-साधना, बौद्धिक परिश्रम और संगठनात्मक तपस्या को समझने का अवसर है, जिसने भारतीय सांस्कृतिक चेतना, हिंदू समाज के संगठन और राष्ट्रीय अस्मिता से जुड़े प्रश्नों पर कई दशकों तक विमर्श को प्रभावित किया।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

क्या एक व्यक्ति अपने जीवन की पूरी ऊर्जा किसी ऐसे उद्देश्य के लिए समर्पित कर सकता है, जिसका प्रतिफल उसे व्यक्तिगत प्रतिष्ठा, सत्ता अथवा संपत्ति के रूप में कभी प्राप्त न हो? क्या कोई व्यक्ति अपनी विद्वत्ता, प्रतिभा, लेखनी और संगठनात्मक क्षमता को एक व्यापक राष्ट्रीय संकल्प का माध्यम बना सकता है?

इन प्रश्नों का उत्तर तलाशना हो तो होंगसन्द्र वेंकटरमैया शेषाद्रि के जीवन को पढ़ना और समझना होगा, जिन्हें हजारों स्वयंसेवक स्नेह और सम्मान से शेषाद्रि जी कहते थे। उनका जीवन बताता है कि राष्ट्र के लिए समर्पण जीवन जीने की एक ऐसी साधना है, जिसमें व्यक्ति अपने निजी सुख, महत्वाकांक्षा और सुविधाओं से ऊपर उठकर समाज के भविष्य के लिए स्वयं को समर्पित कर देता है।

बेंगलुरु में जन्मे शेषाद्रि जी की जन्मशताब्दी (वर्ष 2026) इस साल मनाई जा रही है। यह अवसर उस विचार-साधना, बौद्धिक परिश्रम और संगठनात्मक तपस्या को समझने का अवसर है, जिसने भारतीय सांस्कृतिक चेतना, हिंदू समाज के संगठन और राष्ट्रीय अस्मिता से जुड़े प्रश्नों पर कई दशकों तक विमर्श को प्रभावित किया।

शेषाद्रि जी अकसर एक बात कहा करते थे, किसी राष्ट्र का पुनरुत्थान उसके समाज के आत्मबोध से प्रारंभ होता है। भारत की पहचान, उनकी वैचारिक दृष्टि में, उसकी सनातन सांस्कृतिक परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और हिंदू जीवनदृष्टि से गहराई से जुड़ी हुई है। इस विचार को समझने के लिए हिन्दू जीवन के साथ उनके साहित्य का अध्ययन भी आवश्यक है। शेषाद्रि जी की प्रतिभा का परिचय उनके विद्यार्थी जीवन से ही मिलने लगता है। उन्होंने मैसूर विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में एमएससी की उपाधि स्वर्ण पदक के साथ प्राप्त की। सामान्य परिस्थितियों में उनके सामने विश्वविद्यालय, अनुसंधान और प्रतिष्ठित पेशेवर जीवन के अनेक अवसर उपलब्ध थे, परंतु उन्होंने अपने जीवन की दिशा अलग चुनी। वर्ष 1946 में वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्णकालिक प्रचारक बन गए। इस निर्णय के साथ उनका व्यक्तिगत जीवन राष्ट्रकार्य की साधना में समाहित हो गया।

जन्मशताब्दी विशेष : हिंदू समाज के आत्मबोध, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और भारतीय राष्ट्रचेतना के सशक्त विचार-स्तंभ

इस निर्णय को समझने के लिए उस समय के भारत को समझना होगा। देश स्वतंत्रता की ओर बढ़ रहा था। विभाजन की आशंकाएं गहरी हो रही थीं। समाज जाति, भाषा, क्षेत्र और धार्मिक पहचान के आधार पर अनेक अंतर्विरोधों से गुजर रहा था। औपनिवेशिक शासन ने भारतीय इतिहास, शिक्षा और सांस्कृतिक परंपराओं की व्याख्या को भी प्रभावित किया था। ऐसे वातावरण में शेषाद्रि जी ने संगठन को सामाजिक जागरण और सांस्कृतिक आत्मविश्वास के माध्यम के रूप में देखा।

उनकी दृष्टि में भारत की राष्ट्रीयता का आधार उसकी भौगोलिक सीमाओं के साथ-साथ हजारों वर्षों में विकसित हुई सांस्कृतिक एकात्मता भी थी, इसीलिए हिंदू समाज के इस संगठन को वे भारत की सांस्कृतिक निरंतरता और राष्ट्रीय जीवन की मजबूती से जोड़कर देखते थे। उनका जीवन एक महत्वपूर्ण प्रश्न सामने रखता है, वह यह कि प्रतिभा का सर्वोच्च उपयोग किसमें है? व्यक्तिगत उपलब्धियों में अथवा समाज और राष्ट्र के लिए अपनी क्षमताओं को समर्पित करने में? शेषाद्रि जी ने अपने आचरण से इसका उत्तर दिया।

कर्नाटक में संगठन विस्तार : दो दशकों की तपस्या वर्ष 1960 से 1980 तक उन्होंने अविभाजित कर्नाटक के प्रांत प्रचारक के रूप में दायित्व निभाया। यह काल संघ के लिए संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक चुनौतियों के लिहाज से महत्वपूर्ण था। आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक अधिकारों पर प्रतिबंध, संघ पर प्रतिबंध और उसके कार्यकताओं की गिरफ्तारियों ने संगठन के सामने गंभीर परिस्थितियां खड़ी कीं। शेषाद्रि जी ने कठिन परिस्थितियों में संगठनात्मक संपर्क, कार्यकताओं के मनोबल और सामाजिक संवाद को बनाए रखने का प्रयास किया। उनके व्यक्तित्व की विशेषता थी कि वे संगठनात्मक कार्य को बौद्धिक तैयारी से जोड़ते थे। वे जानते थे कि किसी समाज को लंबे समय तक प्रभावित करने के लिए शाखा, संपर्क और सेवा गतिविधियों के साथ विचार और साहित्य की भी आवश्यकता होती है।

उनके लिए लेखन सामाजिक संवाद का माध्यम था। कन्नड़ भाषा में उनकी लेखनी ने स्थानीय समाज के बीच भारतीय इतिहास, सांस्कृतिक परंपरा और समकालीन चुनौतियों पर विमर्श को आगे बढ़ाया। उनके विचार अंग्रेजी और हिंदी पाठकों तक भी पहुंचे। 1980 में उन्हें दक्षिण क्षेत्र का क्षेत्र प्रचारक बनाया गया। इसके अंतर्गत कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल में संगठनात्मक समन्वय का दायित्व आया। वर्ष 1987 में वे संघ के अखिल भारतीय सरकार्यवाह बने। उन्होंने लगभग नौ वर्ष तक यह दायित्व निभाया। इसके बाद स्वास्थ्यगत परिस्थितियों में अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख के रूप में कार्य किया। 14 अगस्त 2005 को बेंगलुरु स्थित केशव कृपा में उनका निधन हुआ।

विभाजन की त्रासदी और इतिहास को देखने की अलग दृष्टि : शेषाद्रि जी के बौद्धिक योगदान को समझने के लिए उनकी पुस्तक ह्रद ट्रैजिक स्टोरी ऑफ पार्टिशनह्न का उल्लेख आवश्यक है। भारत विभाजन पर लिखी गई यह पुस्तक उनके ऐतिहासिक चिंतन का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसका प्रथम अंग्रेजी संस्करण 1982 में बेंगलुरु के जागरण प्रकाशन से प्रकाशित हुआ था। पुस्तक में 1947 के विभाजन तक पहुंचने वाली राजनीतिक घटनाओं, मुस्लिम लीग की पृथकतावादी राजनीति, कांग्रेस के निर्णयों और उस समय के सामाजिक-राजनीतिक वातावरण का विश्लेषण किया गया है। पुस्तक के प्रथम संस्करण में 278 पृष्ठ हैं।

इस पुस्तक के प्रारंभिक पृष्ठों में शेषाद्रि जी भारत की ऐतिहासिक एकता को एक सांस्कृतिक अवधारणा के रूप में प्रस्तुत करते हैं। उनका विचार है कि भारत की एकता उसकी प्रकृति और राष्ट्रीय आत्मा से अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। इसमें वे लिखते हैं, ह्रभारत की एकता उसकी प्रकृति में इतनी मूलभूत और उसकी गहराइयों में इतनी उदात्त है कि वह उसकी राष्ट्रीय आत्मा का अविभाज्य अंग बन जाती है ह्न (एच.वी. शेषाद्रि, द ट्रैजिक स्टोरी ऑफ पार्टिशन, पृष्ठ 9, जागरण प्रकाशन, बेंगलुरु, 1982)

वस्तुतः यह विचार उनके राष्ट्रबोध की बुनियाद को समझने में सहायता करता है। उनके लिए भारत की पहचान सत्ता परिवर्तन से निर्मित होने वाली अवधारणा नहीं थी। वह एक ऐसी सांस्कृतिक यात्रा थी, जिसमें पीढ़ियों का अनुभव, तीर्थ परंपराएं, दर्शन, साहित्य, भाषा और जीवनमूल्य एक-दूसरे से जुड़े हुए थे। पुस्तक के पृष्ठ 12 पर विभाजन के संबंध में वे लिखते हैं कि 1947 में देश के विभाजन ने मातृभूमि के कुछ हिस्सों पर अलग राजनीतिक अधिकार को स्वीकार करने की स्थिति उत्पन्न की। उनके विश्लेषण में विभाजन स्वतंत्रता के साथ जुड़ी एक ऐसी ऐतिहासिक त्रासदी थी, जिसकी राजनीतिक और सांस्कृतिक परिणतियों पर गंभीर विमर्श आवश्यक था।

उनके इस निष्कर्ष से सहमति अथवा असहमति का अपना ऐतिहासिक आधार हो सकता है। महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने विभाजन को घटनाओं के क्रम से आगे बढ़ाकर राष्ट्रीय मनोविज्ञान, नेतृत्व के निर्णयों और समाज की संगठनात्मक कमजोरियों के संदर्भ में देखने का प्रयास किया। पुस्तक के पृष्ठ 51 पर कांग्रेस की तत्कालीन राजनीतिक दिशा की आलोचना करते हुए उन्होंने लिखा कि एक राष्ट्रीय संगठन का दायित्व समूचे राष्ट्र के हितों और अखंडता के प्रति दृढ़ रहना है। किसी भी वर्ग के दबाव के आगे उसे अपने राष्ट्रीय दायित्व से विचलित नहीं होना चाहिए। (द ट्रैजिक स्टोरी ऑफ पार्टिशन, पृष्ठ 51, जागरण प्रकाशन, 1982)। यहां शेषाद्रि जी की लेखन पद्धति का एक पक्ष सामने आता है। वे किसी घटना का वर्णन करके आगे नहीं बढ़ते, उसके पीछे काम कर रही राजनीतिक मानसिकता और वैचारिक प्रवृत्तियों की पड़ताल करते हैं।

धर्मांतरण, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक पहचान : शेषाद्रि जी के लेखन का एक महत्वपूर्ण विषय धार्मिक पहचान और धर्मांतरण से जुड़े प्रश्न थे। वर्ष 1981 में तमिलनाडु के मीनाक्षीपुरम में हुए सामूहिक धर्मांतरण ने देशव्यापी चर्चा उत्पन्न की थी। इस घटना के बाद उन्होंने ह्रवार्निंग ऑफ मीनाक्षीपुरमह्न नामक पुस्तक के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रिंसटन विश्वविद्यालय के डिजिटल संग्रह में इस पुस्तक का अभिलेख उपलब्ध है। उसमें लेखक के रूप में एच.वी. शेषाद्रि और प्रकाशक के रूप में बेंगलुरु स्थित जागरण प्रकाशन का उल्लेख है।

काशी विश्वनाथ में एक साथ होते हैं शिव शक्ति के दर्शन, मिलता है अक्षय पुण्य फल

उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में देश का सातवां ज्योतिर्लिंग 'काशी विश्वनाथ' मंदिर बसा है। जोकि भारत की सबसे पवित्र नदी गंगा के पश्चिमी तट पर स्थित है। काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान शिव का ज्योतिर्लिंग विश्वनाथ या विश्वेश्वर स्थापित है। काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए न सिर्फ देश बल्कि दुनियाभर से लोग आते हैं। इस ज्योतिर्लिंग के बारे में कहा जाता है कि यहां पर भगवान विश्वनाथ के दर्शन करने मात्र से जातक की आत्मा शुद्ध हो जाती है, जोकि जीवन में भक्ति और ज्ञान के मार्ग को बेहतर करती है।

जानिए काशी विश्वनाथ मंदिर का



इतिहास : हिंदू परंपराओं के अनुसार, भारत के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद अन्य ज्योतिर्लिंगों के दर्शन से जो पुण्य फल प्राप्त होता है, उतना सिर्फ काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन से भक्तों को पुण्य फल प्राप्त होता है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में रामकृष्ण परमहंस, आदि शंकराचार्य, स्वामी विवेकानंद, गोस्वामी तुलसीदास, महर्षि दयानंद सरस्वती, गुरुनानक और कई आध्यात्मिक व्यक्तित्वों ने दर्शन किए हैं। इस मंदिर के दो गुंबदों को सोने से मढ़वाया गया है। जिसके लिए पंजाब के केसरी महाराज रणजीत सिंह ने साल 1939 में दान किया था। काशी 7 पुराने नगरों में शामिल हैं। इन नगरों में मथुरा, अयोध्या, काशी, हरिद्वार, कांची, अवंतिका और द्वारिका शामिल हैं। महाभारत में भी काशी का उल्लेख मिलता है। 11वीं से 15वीं सदी के बीच देशभर के अन्य दूसरे मंदिरों के साथ काशी विश्वनाथ मंदिर को भी नुकसान पहुंचाया गया था।

बाबा विश्वनाथ मंदिर का इतिहास हजार साल से भी ज्यादा पुराना है। बताया जाता है कि मुगल बादशाह अकबर के बाद टोडरमल ने इस मंदिर का पुनर्निर्माण कराया था। फिर मुगल शासक औरंगजेब ने विश्वनाथ मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। जिसके कुछ दशकों के बाद इंदौर की रानी अहिल्या बाई द्वारा इस मंदिर का फिर से जीर्णोद्धार किया गया था।

काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग के दो हिस्से : बता दें कि काशी ज्योतिर्लिंग के दो हिस्से हैं। दाहिने हिस्से में देवी शक्ति विराजती हैं और बाएं हिस्से में भगवान शिव विराजमान हैं। इस वजह से एक ही ज्योतिर्लिंग में भगवान शिव और शक्ति दोनों के ही दर्शन हो जाते हैं। इसके नगरी के बारे में कहा जाता है, जिन भी लोगों की मृत्यु काशी में होती है। उनको मोक्ष की प्राप्ति होती है और उनको दोबारा जन्म नहीं लेना पड़ता है।

प्रलय काल में भी सुरक्षित रहेगा काशी विश्वनाथ मंदिर : काशी विश्वनाथ मंदिर के बारे में कहा जाता है कि स्वयं भगवान शिव इस नगरी की रक्षा करते हैं। माना जाता है कि जब कलियुग के अंत समय में प्रलय आएगा, तो सिर्फ एकमात्र काशी विश्वनाथ ही सुरक्षित रहेगा। मंदिर में स्थित विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने मात्र से भक्तों को अक्षय पुण्य फल की प्राप्ति होती है। 18 पुराणों में से एक स्कंद पुराण में काशी के 18 नामों के जिक्र का वर्णन मिलता है। जिनके नाम इस तरह हैं- वाराणसी, काशी, आनंदकानन, महाश्मशान, रुद्रावास, अविमुक्त क्षेत्र, काशिका, तपस्थली, मुक्तिभूमि, शिवपुरी, त्रिपुरारि राज नगरी और विश्वनाथ नगरी।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

लातेहार में शुरू हुआ लोक आस्था का महापर्व छठ, भक्तिमय हुआ माहौल

लातेहार : लोक आस्था, पवित्रता, त्याग और अटूट श्रद्धा का प्रतीक चार दिवसीय छठ महापर्व शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। महापर्व के आगाज के साथ ही पूरे लातेहार जिले में भक्तिमय वातावरण बन गया है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक छठ गीतों की गूंज सुनाई देने लगी है। घरों में पूजा की तैयारियां तेज हो गयी हैं, वहीं बाजारों में फल, गन्ना, नारियल, सूप, दउरा और पूजन सामग्री की खरीदारी को लेकर चहल-पहल बढ़ गयी है।
छठ महापर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, आत्मसंयम, स्वच्छता और सामाजिक समरसता का अनुपम संदेश भी देता है। इस पर्व में भगवान सूर्य और उनकी शक्ति स्वरूपा छठी मैया की उपासना की जाती है। विशेष बात यह है कि छठ पूजा में किसी भव्य मंदिर या विशेष पुरोहित की अनिवार्यता नहीं होती। श्रद्धालु नदी, तालाब और जलाशयों के किनारे प्रकृति को साक्षी मानकर अस्ताचलगामी एवं उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं।

छठ महापर्व को लेकर जनहित क्लब ने पत्थर घाट पर चलाया सफाई अभियान



साहिबगंज : लोक आस्था एवं सूर्य उपासना के महापर्व छठ को लेकर जिलेभर में तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में साहिबगंज सदर प्रखंड के महादेवगंज स्थित प्रसिद्ध पत्थर घाट पर जनहित क्लब महादेवगंज के सदस्यों ने वर्षों पुरानी परंपरा को निभाते हुए महासफाई अभियान चलाया। क्लब के सदस्यों ने श्रमदान कर घाट की साफ-सफाई की और श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ वातावरण तैयार करने का सराहनीय प्रयास किया।गंगा नदी में आई बाढ़ के कारण पत्थर घाट पर काफी गंदगी जमा हो गई थी।इसके बावजूद जनहित क्लब के सदस्यों ने पूरे उत्साह,मेहनत और समर्पण के साथ सफाई अभियान चलाया।उल्लेखनीय है कि इस घाट पर महादेवगंज सहित आसपास के दर्जनों ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की संख्या में छठव्रती एवं श्रद्धालु भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने पहुंचते हैं।ऐसे में घाट की स्वच्छता, सुंदरता और सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है।इस अभियान के माध्यम से जनहित क्लब के सदस्यों ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए सेवा,सहयोग और स्वच्छता का संदेश दिया। साथ ही श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों से अपील की कि छठ महापर्व के दौरान घाट पर गंदगी न फैलाएं और साफ-सफाई बनाए रखने में सहयोग करें।मौके पर जनहित क्लब के अध्यक्ष माखनलाल यादव,शंभूनाथ यादव,जयराम यादव,बलराम कुमार,संजय कुमार,अनुराग राहुल,करण यादव,कुंदन कुमार, कथावाचक वैष्णव धनंजय महाराज जी,अनिल कुमार,मनोज कुमार, विकास सिंह,मनीष कुमार,जनार्दन रविदास,सुमित कुमार,मनोज मंडल, विजय कुमार,ललन ठाकुर सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अभाविप ने मुक्तेश्वरनाथ धाम गंगा घाट पर चलाया स्वच्छता अभियान



साहिबगंज : लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, साहिबगंज नगर इकाई द्वारा मुक्तेश्वरनाथ धाम गंगा घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के माध्यम से गंगा घाट एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई कर श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। मुख्य रूप से प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रजीत साह उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था, संस्कृति एवं प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। इस पावन पर्व पर गंगा घाटों की स्वच्छता एवं पवित्रता बनाए रखना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे घाटों पर गंदगी न फैलाएं तथा स्वच्छ एवं सुंदर छठ घाट बनाने में अपना योगदान दें।इसके साथ ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी छठ पूजा के अवसर पर मुक्तेश्वरनाथ धाम गंगा घाट पर छठ पूजा सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर के माध्यम से छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के बीच पूजा से संबंधित आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया जाएगा। इसमें दूध, गंगाजल अगरबत्ती धूप माचिस पूजा के लिए आवश्यक सामग्री पीने का पानी एवं अन्य उपयोगी सामग्रियां उपलब्ध कराई जाएंगी। परिषद के कार्यकर्ता छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सेवा और सुविधा के लिए तत्पर रहेंगे। इस दौरान प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अविनाश साह, नगर मंत्री चंदन कुमार, जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार, पूर्णव कुमार, प्रीति सरकार एवं अनुरंजन प्रसाद सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कबीर आश्रम के अगवा महंत ब्रह्मदेव साहब ने किया शरीर त्याग अंतिम यात्रा में उमड़े संत-महात्मा

साहिबगंज: शहर के महात्मा गांधी चौक के समीप स्थित कबीर आश्रम के अगवा महंत ब्रह्मदेव साहब का उनके पैतृक गांव चांदनी चौक स्थित आवास पर शरीर त्याग हो गया।उनके निधन की खबर से संत समाज और अनुयायियों में शोक की लहर दौड़ गई।महंत ब्रह्मदेव साहब की अंतिम यात्रा एवं अंतिम संस्कार में झारखंड, बिहार, बंगाल सहित आसपास के राज्यों से बड़ी संख्या में संत-महात्मा, साध्वी एवं श्रद्धालु शामिल हुए।इस दौरान कटिहार जिले से महंत बकेज साहब,बहरामपुर बंगाल से संत मोहनलाल साहब,महंत सुरेंद्र साहब, महंत जोगमाया साध्वी,संत छोटेलाल साहब,कबीर आश्रम के महंत शंकर दास,संत रामावतार साहब,संत जंग बहादुर,संत बम-बम,संत शकुंतला साध्वी,संत मलिक लाल,संत अंबिका, संत सुरेश एवं संत कंचन दासीन सहित अनेक संत उपस्थित रहे।बताया गया कि शिवनारायणपुर से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम चांदनी चौक में उन्होंने अपने पैतृक आवास पर अंतिम सांस ली। इसके बाद विक्रमशिला से लगभग पांच किलोमीटर दूर ऐतिहासिक बटेश्वर स्थान के समीप गंगा नदी तट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।

बरहेट विधानसभा स्तर पर मतदाता जागरूकता क्विज प्रतियोगिता आयोजित

प्रखंड स्तर पर चयनित प्रतिभागियों ने विधानसभा स्तरीय प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा अब जिला स्तरीय प्रतियोगिता में करेंगे सहभागिता

चुनावी पाठशाला के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों मतदाता पंजीकरण व इसीआई एनइटी की सुविधाओं के प्रति किया गया जागरूक



संवाददाता

साहिबगंज : मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत मतदाता जागरूकता को व्यापक स्वरूप प्रदान करने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज बरहेट विधानसभा स्तर पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बरहेट प्रखंड सभागार में आयोजित इस प्रतियोगिता की अध्यक्षता निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी,3 बरहेट अ०ज०जा० सह-अपर समाहर्ता विजय कुमार ने की। इस प्रतियोगिता में प्रखंड स्तर पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता में चयनित विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। प्रतिभागियों ने निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता सूची, मतदाता पंजीकरण एवं निर्वाचन आयोग की विभिन्न सुविधाओं से संबंधित प्रश्नों के माध्यम से अपनी जानकारी एवं समझ का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चुनावी पाठशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी जानकारी से अवगत कराना इसीएल एनइटी की उपयोगिता एवं उपलब्ध सुविधाओं के प्रति जागरूक करना तथा सभी योग्य नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के महत्व को समझाना था। इसके साथ ही विद्यार्थियों को मताधिकार के महत्व लोकतांत्रिक मूल्यों एवं एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक किया गया।इस संदर्भ में अपर समाहर्ता विजय कुमार ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती प्रत्येक योग्य नागरिक की निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदारी एवं मतदाता सूची में उसके नाम के पंजीकरण पर निर्भर करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने एवं अपने मताधिकार के महत्व के प्रति जागरूक करें।
उल्लेखनीय है कि मतदाता जागरूकता को लेकर आयोजित यह प्रतियोगिता तीन चरणों में संचालित की जा रही है। इसके प्रथम चरण में प्रखंड स्तर पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमें सफल एवं चयनित छात्र-छात्राओं ने आज विधानसभा स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विधानसभा स्तर पर चयनित प्रतिभागी अब जिला स्तर पर आयोजित होने वाली क्विज प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस क्रमिक आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से निर्वाचन संबंधी जानकारी एवं मतदाता जागरूकता का संदेश प्रखंड से विधानसभा और जिला स्तर तक व्यापक रूप से पहुंचाना है।कार्यक्रम में सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, बरहेट श्री अंशु कुमार, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, बूथ स्तरीय पदाधिकारी बीएलओ व विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा यातायात नियमों के अनुपालन को लेकर बरहेट में सघन वाहन जांच अभियान



संवाददाता

साहिबगंज : जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने, यातायात नियमों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने तथा आमजनों की सुरक्षा के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें जिला परिवहन पदाधिकारी श्री अमर जॉन आइंद के निदेर्शानुसार बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत विशेष वाहन जांच अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान दोपहिया एवं चारपहिया सहित विभिन्न प्रकार के कुल 41 वाहनों की जांच की गई। जांच के क्रम में यातायात नियमों एवं मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन करने वाले 22 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई करते हुए कुल ₹43,000 का जुमार्ना वसूला गया।अभियान के दौरान वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग करने तथा वाहन चलाते समय आवश्यक सावधानियां बरतने के प्रति जागरूक किया गया।
जिला प्रशासन ने आमजनों एवं वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन अपनी आदत में शामिल करें। सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है।आपकी थोड़ी-सी सावधानी अनमोल जीवन की रक्षा कर सकती है।मौके पर मोटरयान निरीक्षक साहिबगंज कुमार उत्कर्ष थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह,आईटी सहायक श्री राजहंस सहित अन्य पुलिस बल के जवान उपस्थित रहे।

जिला गंगा समिति की बैठक में गंगा तटों के संरक्षण पर दिया गया जोर

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला गंगा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में गंगा नदी के तटों के संरक्षण छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा के लिए अतिरिक्त घाटों के विकास तथा पर्यावरण अनुकूल पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या एवं उनकी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जिले में अतिरिक्त छठ घाटों के विकास की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। इस संबंध में आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर नमामि गंगे परियोजना को भेजने का प्रस्ताव पारित किया गया ताकि घाटों का विकास कर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।साहिबगंज शहरी क्षेत्र में गंगा नदी के कटाव से तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा के मद्देनजर बिजली घाट से ओझा टोली घाट तक लंबित तट संरक्षण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने पर विशेष जोर दिया गया। संबंधित कार्यों में तेजी लाकर तटों को कटाव से सुरक्षित करने की आवश्यकता बताई गई।वहीं बास्कोला रेलवे लाइन के समीप गंगा नदी के कटाव से रेलवे अवसंरचना एवं आसपास के क्षेत्रों को संभावित खतरे से बचाने के लिए पूर्व में किए गए अस्थायी कटाव निरोधक कार्यों के अतिरिक्त व्यापक एवं स्थायी तट संरक्षण कार्य कराने पर भी चर्चा की गई। जबकि गंगा नदी में मनोरंजन और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गैर-मोटर चालित नौकाओं के परिचालन की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य गंगा नदी में पर्यटन को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ जलीय जीवों विशेषकर गंगा डॉल्फिन के प्राकृतिक आवास एवं पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखना है। पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया।उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने गंगा नदी के संरक्षण, तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा एवं स्थानीय स्तर पर जनसुविधाओं के विकास के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया।बैठक में उप विकास आयुक्त श्री सतीश चंद्रा, नगर प्रशासक साहिबगंज

मारपीट मामले में आरोपी गिरफ्तार

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के सकरोगढ़ मोहल्ले से मारपीट मामले के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी पर मारपीट कर एक व्यक्ति को घायल करने का आरोप है। इस मामले में जिरवाबाड़ी थाना में कांड संख्या 228/26 दर्ज किया गया था। थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान विकास चौधरी निवासी सकरोगढ़ के रूप में हुई है।

छठ घाटों पर सुरक्षा का रहेगा कड़ा पहरा गंगा में नाव से गश्त करेंगे पुलिस जवान

साहिबगंज : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है। चारों ओर छठी मैया के गीत गूंज रहे हैं। वहीं, गंगा घाटों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं ने अर्घ्य देने के लिए अपनी-अपनी जगह सुरक्षित करनी शुरू कर दी है। पर्व के दौरान उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए पुलिस विभाग ने भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारी तेज कर दी है। पुलिस का प्रयास है कि घाटों पर श्रद्धालु कतारबद्ध तरीके से पूजा-अर्चना करें और किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो साहिबगंज के गंगा घाटों पर छठ के दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर अस्ताचलगामी और उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इसे देखते हुए पुलिस ने हर वर्ष की तरह इस बार भी सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए हैं। घाटों पर भीड़ नियंत्रण के साथ श्रद्धालुओं की आवाजाही पर नजर रखी जाएगी। साथ ही लोगों से व्यवस्थित तरीके से पूजा करने की अपील की जा रही है।सुरक्षा के मद्देनजर सती घाट पर चार गोताखोरों की तैनाती की गई है। वहीं, गंगा नदी में नाव के माध्यम से पुलिस बल लगातार गश्त करेगा।

बाल दिवस पर दो दिवसीय अंतरराज्यीय खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज

महिला व पुरुष क्रॉस कंट्री दौड़ से शुरू हुई प्रतियोगिता बिहार पश्चिम बंगाल और झारखंड के खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा



संवाददाता

साहिबगंज : बाल दिवस के अवसर पर टाइगर एथलेटिक्स क्लब,सकरीगली की ओर से आयोजित दो दिवसीय अंतरराज्यीय 61वीं बाल दिवस खेलकूद प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ शुक्रवार को उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ।प्रतियोगिता की शुरूआत महिला एवं पुरुष वर्ग की क्रॉस कंट्री दौड़ से हुई।मुख्य अतिथि तालझारी प्रखंड के पूर्व उपप्रमुख प्रदीप कुमार सिंह उर्फ लड्डू सिंह ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ का विधिवत उद्घाटन किया।इस अवसर पर रेलवे मैदान, सकरीगली में विभिन्न खेल स्पधाओं का आयोजन किया गया।इसमें लंबी कूद,ऊंची कूद, गोला फेंक,डिस्कस थ्रो,भाला फेंक सहित कई प्रतियोगिताएं शामिल रहीं।प्रतियोगिता में बिहार,पश्चिम बंगाल और झारखंड के विभिन्न जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार सिंह उर्फ लड्डू सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल बच्चों और युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।खेल से अनुशासन,आत्मविश्वास,आपसी सहयोग और संघर्ष करने की भावना विकसित होती है।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की प्रतियोगिताओं के आयोजन से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का बेहतर मंच मिलता है। उन्होंने टाइगर एथलेटिक्स क्लब के प्रयासों की सराहना करते हुए खिलाड़ियों से मेहनत और लगन के साथ खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर अपने क्षेत्र एवं जिले का नाम रोशन करने की अपील की।
क्रॉस कंट्री दौड़ के परिणाम प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग की 7 किलोमीटर क्रॉस कंट्री दौड़ में बिहार के राजन महतो ने प्रथम,बिहार के ही आलोक कुमार यादव ने द्वितीय तथा झारखंड के जानकी कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।वहीं महिला वर्ग की 4 किलोमीटर क्रॉस कंट्री दौड़ में बिहार की पूजा सिंह ने प्रथम,खुशी कुमारी ने द्वितीय तथा अंगूरी कुमारी ने तृतीय स्थान हासिल किया।प्रतियोगिता को लेकर सकरीगली एवं आसपास के क्षेत्रों के खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन समिति की ओर से बताया गया कि प्रतियोगिता के दूसरे दिन पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा।इसमें समाजसेवी दिनेश यादव,पूर्व उपप्रमुख प्रदीप कुमार सिंह उर्फ लड्डू सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल होकर विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करेंगे।
आयोजन में इनका रहा योगदान
प्रतियोगिता के सफल आयोजन में आयोजन समिति के माधवचंद्र घोष, अशोक साहनी,योगेश यादव,गौतम, रजाउद्दीन, मनीष कुमार,आशीष रंजन,गौतम यादव,गौतम मंडल, रामदेव यादव,हीरालाल यादव,छोटू यादव,राजन कुमार,राजदेव यादव, सुष्मित रंजन,जॉन्स,रामलक्ष्मण यादव,सौरभ मंडल,अमन कुमार सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

मेरा दिल टूट गया है...

● फ्लोरेंस प्यू ने फिल्म 'द वंडर' के निर्देशक सेबेस्टियन लेलियो को याद कर लिखा भावुक नोट



हॉलीवुड अभिनेत्री फ्लोरेंस प्यू अपने करीबी निर्देशक सेबेस्टियन लेलियो के निधन से बेहद दुखी हैं। अभिनेत्री ने फिल्म 'द वंडर' के निर्देशक को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने सेबेस्टियन को शानदार कलाकार बताते हुए कहा कि वह महिलाओं की कहानियों को पर्दे पर उतारने के लिए पूरी तरह समर्पित थे। फ्लोरेंस ने निर्देशक के साथ अपनी पहली मुलाकात से लेकर उनके साथ बिताए खास पलों को याद किया। उन्होंने बताया कि दोनों के बीच खाने, रेड वाइन और डांस को लेकर खास जुड़ाव था। निर्देशक के जाने से उनका दिल टूट गया।

फ्लोरेंस प्यू ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट साझा किया। इसमें उन्होंने बताया कि पांच साल पहले फिल्म 'द वंडर' के सेट पर उनकी मुलाकात सेबेस्टियन लेलियो से हुई थी। उस समय भी निर्देशक अपने काम के जरिए महिलाओं की जिंदगी और उनके संघर्षों को पर्दे पर दिखाने के लिए पहचाने जाते थे। अपने कैप्शन में फ्लोरेंस ने लिखा, ''मैं उस दिन से इस खबर को समझने की कोशिश कर रही हूं, जिस दिन यह सामने आई थी। मेरा दिमाग यह स्वीकार नहीं कर पा रहा है कि वह अब हमारे बीच नहीं है। सेबेस्टियन लेलियो, आप वाकई एक चमकता हुआ अनमोल हीरा थे। हम पांच साल पहले 'द वंडर' के सेट पर मिले थे। वह बेहद प्रभावशाली इंसान थे। उनका काम पहले ही महिलाओं के लिए बहुत कुछ कर चुका था और इसके लिए उन्हें काफी पहचान और तारीफ भी मिली थी। मेरा दिल टूट गया है। वह ऐसे इंसान थे, जो पूरी मजबूती से महिलाओं के साथ खड़े थे। उन्हें महिलाओं की बहुत परवाह थी। उन्होंने अपना काम महिलाओं की कहानियों और उनके अलग-अलग संघर्षों और दर्द को दिखाने के लिए समर्पित कर दिया था।'' फ्लोरेंस ने निर्देशक के स्वभाव को याद करते हुए बताया कि वह बेहद संवेदनशील इंसान थे। उनकी चमकदार नीली आंखें थीं, जो किसी की आत्मा तक झांकती हुई महसूस होती थीं, भले ही बातचीत नाश्ते जैसी छोटी-सी बात पर क्यों न हो रही हो। फ्लोरेंस ने लिखा, ''हमारे बीच खाने को लेकर प्यार हो गया था। हमारे पास 'द वंडर' की स्क्रिप्ट को लेकर बात करने के लिए बहुत कुछ था, लेकिन जिस चीज ने हमें एक जैसी धड़कन से जोड़ा, वह था खाने के प्रति हमारा प्यार। मीट, स्ट्यू, चीज और रेड वाइन। ओह, रेड वाइन। इस नाम पर हम दोनों खुशी से चिल्ला उठते थे। वह मुझे डबलिन में खाने के लिए बाहर ले जाते थे, ताकि हम प्रोजेक्ट पर बात कर सकें, लेकिन हम शेफ की पसंद से भेजे गए खाने को देखकर ही बहुत खुश हो जाते थे।''

आईएसपीएल के चौथे सत्र के लिए प्लेयर ऑक्शन कल

आठ फ्रेंचाइजी तैयार करेंगी अपनी टीमें

● दोपहर चार बजे से होगी नीलामी, सचिन तेंदुलकर, सैफ अली खान और करीना कपूर खान सहित कई दिग्गज रहेंगे मौजूद



मुंबई। इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) के चौथे सत्र के लिए खिलाड़ी नीलामी रविवार, 15 नवंबर को मुंबई में आयोजित की जाएगी। टेनिस बॉल से खेले जाने वाले इस टी10 टूर्नामेंट की आठों फ्रेंचाइजी आगामी सत्र के लिए अपनी टीमें तैयार करेंगी। नीलामी को लीग के चौथे सत्र की तैयारियों का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

नीलामी के दौरान आईएसपीएल की कोर समिति के सदस्यों के साथ कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार, क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर, मीनल अमोल काले और सूरज सामत मौजूद रहेंगे। इसके अलावा मुख्य चयनकर्ता जतिन परांजपे और प्रवीण आमरे भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। कोलकाता फ्रेंचाइजी टाइगर्स के सह-मालिक सैफ अली खान और करीना कपूर खान की भी मौजूदगी रहेगी।

नीलामी में प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास खिलाड़ियों को खरीदने के लिए 1.5 करोड़ रुपये का बजट होगा। हर टीम को 18 खिलाड़ियों का दल तैयार करना होगा। फ्रेंचाइजी को पिछले सत्र की अपनी टीम से एक खिलाड़ी को बरकरार रखने का विकल्प मिलेगा। इसके अलावा पात्र फ्रेंचाइजी के पास दो राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड भी होंगे।

टीम में आईएसपीएल के सभी आठ क्षेत्रों से कम से कम एक-एक खिलाड़ी और अंडर-19 वर्ग के कम से कम दो खिलाड़ियों को शामिल करना अनिवार्य होगा। वहीं, प्रत्येक मैच की अंतिम एकादश में कम से कम एक अंडर-19 खिलाड़ी और आईएसपीएल के चार अलग-अलग क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले चार खिलाड़ी होने जरूरी हैं।

चौथे सत्र की नीलामी की एक प्रमुख विशेषता क्षेत्रीय ढांचे का विस्तार है। पहले पांच क्षेत्रों में बंटी लीग अब आठ क्षेत्रों में खिलाड़ियों का चयन करेगी। इसका उद्देश्य देशभर में प्रतिभाओं के दायरे को बढ़ाना और जमीनी स्तर पर क्रिकेट को अधिक प्रतिनिधित्व देना है। नए क्षेत्रों में सेंट्रल नॉर्थ, ईस्ट, नॉर्थ, नॉर्थ वेस्ट, साउथ सेंट्रल, साउथ ईस्ट, साउथ वेस्ट और वेस्ट शामिल हैं।

नए नियमों के तहत हर फ्रेंचाइजी को अपनी टीम में इन सभी आठ क्षेत्रों से कम से कम एक खिलाड़ी रखना होगा। साथ ही, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को मैदान पर भी अवसरों में बदलने के लिए टीम में शामिल प्रत्येक क्षेत्रीय खिलाड़ी को लीग चरण के कम से कम एक मुकाबले में खेलना अनिवार्य होगा।

नीलामी में बोली प्रक्रिया को रोमांचक बनाने के लिए 'गुगली पावर' नामक विशेष प्रावधान भी रखा गया है। इसके तहत कोई भी फ्रेंचाइजी मौजूदा बोली राशि से सीधे एक लाख रुपये की छलांग लगाकर बोली लगा सकेगी। इस विशेष बोली के इस्तेमाल के बाद सामान्य बोली वृद्धि की प्रक्रिया फिर से शुरू हो जाएगी। अधिक मांग वाले खिलाड़ियों को हासिल करने के लिए टीमें इस सुविधा का रणनीतिक इस्तेमाल कर सकेंगी। नीलामी की कार्यवाही दोपहर चार बजे शुरू होगी। इसका सीधा प्रसारण जियोहॉटस्टार पर किया जाएगा, जबकि टेलीविजन पर स्टार स्पोर्ट्स खेल के माध्यम से इसे देखा जा सकेगा। लीग का उद्देश्य 'स्ट्रीट टू स्टेडियम' की सोच के साथ देश की उभरती प्रतिभाओं को बड़ा मंच उपलब्ध कराना है।

19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगी दो टेस्ट मैचों की सीरीज, ऋषभ पंत भी टीम से जुड़े

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले भारतीय टीम में बदलाव किया गया है। पुरुष चयन समिति ने तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को टीम में शामिल किया है, जबकि कुलदीप यादव को घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी भारतीय टेस्ट टीम के सदस्यों के साथ जुड़ गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 19 नवंबर 2026 से वेलिंगटन में शुरू होगी। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के जून 2027 में होने वाले फाइनल की दौड़ के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में न्यूजीलैंड फिलहाल शीर्ष पर है। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया भी अंक प्रतिशत के आधार पर उसके करीब हैं। भारत चौथे स्थान पर है और शीर्ष टीमों से कुछ पीछे चल रहा है। ऐसे में फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारतीय टीम को अपने बाकी बचे सात टेस्ट मैचों में से अधिकतर में जीत दर्ज करनी होगी। भारत का अभियान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज के साथ समाप्त होगा।

मेसी के संन्यास के बाद पहले मुकाबले में हारा अर्जेंटीना, उरुग्वे ने 2-1 से दी शिकस्त



ब्यूनस आयर्स। लियोनेल मेसी के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास के बाद अपने पहले मुकाबले में अर्जेंटीना को हार का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को खेले गए मैत्री मुकाबले में उरुग्वे ने अर्जेंटीना को 2-1 से शिकस्त दी। अर्जेंटीना की हार में डिफेंडर लियोनार्डो बालेरदी का आत्मघाती गोल और उरुग्वे के मिडफील्डर मैक्सी अराउजो का गोल निर्णायक साबित हुआ।

उरुग्वे के नए मुख्य कोच डिएगो फोर्लान के नेतृत्व में टीम की यह तीसरी जीत है। दूसरी ओर, 2026 विश्व कप की उपविजेता अर्जेंटीना मेसी की गैरमौजूदगी में लंबे समय तक उरुग्वे की मजबूत रक्षापंक्ति को भेदने में नाकाम रही।

मुकाबले में पहला गोल दूसरे हाफ की शुरूआत के तुरंत बाद हुआ। जॉर्जियन डी अरास्काएटा की बाईं ओर से आई फ्री-किक पर अर्जेंटीना के रक्षात्मक क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। लिसांद्रो मार्टिनेज ने हेडर से गेंद को बाहर करने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके साथी खिलाड़ी बालेरदी से टकराकर अपने ही गोल में चली गई। इसके बाद 53वें मिनट में डी अरास्काएटा ने कॉर्नर किक से उरुग्वे की बढ़त दोगुनी कर दी। गेंद अराउजो के कंधे से टकराकर ऊंची उछली और गोलपोस्ट में पहुंच गई।

अर्जेंटीना के लिए एटलेटिको मैड्रिड के स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज ने 73वें मिनट में गोल कर वापसी की उम्मीद जगाई। इंजरी टाइम में भी उनके पास एक और अच्छा मौका आया, लेकिन उरुग्वे ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए मुकाबला 2-1 से जीत लिया।

मेसी ने पिछले महीने बेनिन के खिलाफ भावुक विदाई मैत्री मुकाबले में जीत के साथ अर्जेंटीना के लिए अपना आखिरी मैच खेला था। इसके साथ ही उन्होंने 207 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 125 गोल के शानदार करियर को विराम दिया। 39 वर्षीय मेसी की अनुपस्थिति में अर्जेंटीना को उरुग्वे के खिलाफ जीत हासिल करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

गुजराती नववर्ष की सबसे बड़ी खुशी परिवार का साथ: डेजी शाह

अभिनेत्री डेजी शाह ने दिवाली के दौरान बचपन की यादें साझा कीं। त्योहारों का असली मजा अपनों के साथ ही आता है। खासकर तब, जब परिवार के वे सदस्य भी एक जगह जुटें, जिनसे रोज मिलना संभव नहीं होता। गुजराती परिवारों में दिवाली के अगले दिन नए साल यानी 'बेस्तु वरस' का स्वागत भी इसी उत्साह के साथ किया जाता है। अभिनेत्री डेजी शाह के लिए भी यह मौका परिवार के साथ वक्त बिताने का है। 'जय हो', 'हेट स्टोरी 3' और 'रेस 3' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं डेजी शाह ने अमर उजाला से खास बातचीत में गुजराती नववर्ष से जुड़ी अपनी यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि इस मौके पर उन्हें अपने कजिन्स से मिलने और पुरानी यादें ताजा करने का मौका मिलता है। त्योहारों के साथ उनकी बचपन की कुछ ऐसी शरारतें भी जुड़ी हैं, जिन्हें याद करके आज भी वह हंस पड़ती हैं।



परिवार है त्यौहारों की खुशी

डेजी के लिए दिवाली और गुजराती नववर्ष की सबसे बड़ी खुशी परिवार का साथ है। इस मौके पर परिवार के वे सदस्य भी मिलते हैं, जिनसे लंबे समय से मुलाकात नहीं हुई होती। घर की सफाई से लेकर खाने-पीने तक, त्योहार की तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं। वह कहती हैं, 'हम सभी दिवाली और नए साल का इंतजार करते हैं, क्योंकि यही वह समय होता है जब सारे कजिन्स एक साथ मिलते हैं। परिवार के जो लोग काफी समय से नहीं मिल पाए होते, वे भी इस मौके पर साथ आते हैं। घर की सफाई होती है, अच्छा खाना बनता है। आमतौर पर हम डाइट पर रहते हैं, लेकिन दिवाली के समय थोड़ी छूट मिल जाती है।' अपने परिवार के जश्न के बारे में डेजी कहती हैं, 'हमारे परिवार में त्योहारों को बहुत सादगी और अपनेपन के साथ मनाया जाता है। हम सभी के लिए सबसे जरूरी है कि इस मौके पर पूरा परिवार साथ हो और सब मिलकर अच्छा वक्त बिताएं।'

विदेशी मंचों पर भी गूंज रहा देसी कॉमेडी का अंदाज



कमीडियन नवीन प्रभाकर इन दिनों अपने अंतरराष्ट्रीय शो को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि उनके शो में दर्शकों को एक ही शाम में बॉलीवुड के कई रंग देखने को मिलेंगे। इसमें अमिताभ बच्चन से लेकर गोविंदा, अक्षय कुमार और शाहरुख खान तक के अंदाज शामिल होंगे। इसके साथ ही मराठी तड़का, गुजराती गरबा और पंजाबी खाने-पीने से जुड़े मजेदार पंच भी शो का हिस्सा होंगे। बातचीत में उन्होंने कहा, ''दर्शकों को एक ही शाम में पूरा बॉलीवुड देखने को मिलेगा। अमिताभ बच्चन से लेकर गोविंदा, अक्षय कुमार और शाहरुख खान तक के अंदाज होंगे। इसके साथ मराठी तड़का, गुजराती गरबा और पंजाबी खाने से जुड़े मजेदार पंच भी होंगे। यह सिर्फ एक शो नहीं है, बल्कि देसी शादी जैसा अनुभव होगा, जहां हर कोई साथ में नाचेगा, गाएगा और हंसेगा। अंतरराष्ट्रीय मंच पर उस शाम देसी दिल सबसे जोर से धड़केगा।'' उन्होंने भारत और विदेशों में मिलने वाली प्रतिक्रिया के अंतर पर भी बात की और बताया कि भारत में दर्शक उन्हें पहले से जानते हैं, इसलिए उनके अंदाज और कॉमेडी से जल्दी जुड़ जाते हैं, जबकि विदेशों में दर्शकों को पहले उनके काम से परिचित होना पड़ता है। उन्होंने कहा, ''अपने देश में लोग इसलिए हंसते हैं, क्योंकि वे मुझे पहले से पहचानते हैं। विदेशों में लोग इसलिए हंसते हैं, क्योंकि वहां वे मुझे जानने लगते हैं। वहां हर हंसी के साथ घर की कोई न कोई याद जुड़ी होती है। असल में वह अपने देश और अपनी मिट्टी की याद होती है। हमारा काम उस याद को हंसी में बदलना है। बस यही फर्क है।'' नवीन के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना किसी दबाव से ज्यादा गर्व की बात है। उन्होंने कहा, ''मैं कभी मंच पर अकेला नहीं जाता। अपने साथ पूरा भारत लेकर जाता हूं। जब विदेशी दर्शक भी 'पहचान कौन' बोलने लगते हैं, भले ही उन्हें इसका मतलब पूरी तरह समझ न आए, लेकिन वे अपने देसी दोस्तों के साथ हंसते हैं, तो मुझे लगता है कि मैंने कॉमेडी का झंडा ऊंचा कर दिया है। कॉमेडी में सीमाओं और मर्यादा को लेकर भी नवीन की अपनी अलग सोच है। उन्होंने कहा, ''कमीडियन का काम सीमाएं तोड़ना नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ना है।

मिर्जापुर' की पहचान बचाने से ज्यादा कहानी के साथ न्याय करना जरूरी - गुरमीत



निर्देशक गुरमीत सिंह के लिए 'मिर्जापुर' सिर्फ एक सफल वेब सीरीज नहीं, बल्कि एक ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसके साथ वह और उनकी पूरी टीम लंबे समय से जुड़ी हुई है। इस फ्रेंचाइजी ने दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। गुरमीत सिंह का मानना है कि किसी फ्रेंचाइजी की पहचान बनाए रखने या उसमें नए एक्सपेरिमेंट की चिंता करने से ज्यादा जरूरी उसकी कहानी के साथ न्याय करना है। निर्देशक के तौर पर सबसे बड़ा काम स्क्रिप्ट पढ़ते समय मिलने वाले उत्साह और मजे को पर्दे पर उतारना है। बातचीत में गुरमीत सिंह ने 'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी और इसकी फिल्म से जुड़े अपने क्रिएटिव प्रोसेस पर बात की। उन्होंने कहा, ''मेरे हिसाब से 'मिर्जापुर' की अच्छी बात यह है कि इसकी स्क्रिप्ट आमतौर पर काफी चुनौतीपूर्ण है। मैं एक निर्देशक के तौर पर बात कर रहा हूं। हमारे पास करने और उस पर काम करने के लिए इतना कुछ होता है कि बाकी चीजें अपने आप संभल जाती हैं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि हमें दूसरी छोटी-छोटी बातों की चिंता करने की जरूरत है। गुरमीत के कहा, ''किसी भी कहानी को पर्दे पर उतारने से पहले सबसे जरूरी यह समझना होता है कि लेखक ने कागज पर क्या लिखा है और उस कहानी को किस तरह दर्शकों तक पहुंचाया जा सकता है।

पद्मालक्ष्मी के लिए खास रही इस साल की दिवाली, महीनों बाद अस्पताल से घर लौटीं मां



भारतीय मूल की सुपरमॉडल और टीवी हस्ती पद्मालक्ष्मी के लिए इस साल की दिवाली कई मायनों में खास रही। इस बार त्योहार की खुशियां उनके परिवार के लिए किसी बड़ी राहत से कम नहीं थीं क्योंकि उनकी मां लक्ष्मी कई महीनों तक अस्पताल में रहने के बाद घर लौट आई हैं और धीरे-धीरे अपनी पुरानी जिंदगी की ओर लौट रही हैं। इस खास मौके पर पद्मा ने अपनी बेटी कृष्णा के साथ दिवाली मनाई और परिवार के साथ बिताए पलों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। पद्मालक्ष्मी ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें पोस्ट कीं। पहली तस्वीर में वह अपनी बेटी कृष्णा के साथ नजर आईं जबकि दूसरी तस्वीर में उनकी मां दिखाई दीं। तस्वीरों के साथ उन्होंने इस साल के दिवाली सेलिब्रेशन के बारे में दिल छू लेने वाला नोट लिखा। उन्होंने बताया कि इस बार परिवार ने बहुत सादगी से और कम लोगों के बीच त्योहार मनाया लेकिन खुशियां मनाने की वजहें कई थीं। पद्मा ने अपने पोस्ट में लिखा, ''इस साल हमने दिवाली बहुत सादगी से और परिवार के कुछ करीबी लोगों और दोस्तों के साथ मनाई। लेकिन जश्न मनाने के लिए हमारे पास बहुत कुछ था। इनमें सबसे खास था मां लक्ष्मी का कई महीनों बाद अस्पताल से घर लौटना। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि वह अब काफी हद तक पहले जैसी हो गई हैं।'' पद्मा ने इस दौरान अपनी बेटी कृष्णा की नई शुरुआत का भी जिक्र किया।

महापर्व छठ का आज दूसरा दिन, खरना के साथ शुरू होगा 36 घंटे का निर्जला व्रत

पटना। लोक आस्था और सूर्योपासना का महापर्व छठ परंपरागत रूप से श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। इस चार दिवसीय कठिन अनुष्ठान का आज दूसरा दिन है। आज व्रती पूरे दिन उपवास रखने के बाद शाम को विधि-विधान से खरना करेंगी। इसके साथ ही छठ व्रत के सबसे कठिन चरण 36 घंटे के निर्जला उपवास की शुरूआत होगी। खरना के अवसर पर व्रती स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं और पूरी पवित्रता के साथ भगवान सूर्य तथा छठी मइया की पूजा-अर्चना करती हैं। इस दिन गुड़ से बनी खीर, रोटी और फल का प्रसाद तैयार किया जाता है। पूजा के बाद व्रती प्रसाद ग्रहण करती हैं और परिवार तथा आसपास के लोगों के बीच प्रसाद वितरित किया जाता है।



36 घंटे तक निर्जला उपवास

खरना के बाद व्रती 36 घंटे तक निर्जला उपवास रखती हैं। इस दौरान अन्न और जल ग्रहण नहीं किया जाता है। इसके अगले दिन यानी तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। वहीं, चौथे और अंतिम दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ महापर्व का समापन होगा। छठ महापर्व को लेकर घरों में विशेष साफ-सफाई और तैयारी की जा रही है। बाजारों में फल, सूप, दउरा, नारियल, गन्ना और पूजन सामग्री की खरीदारी को लेकर चहल-पहल बढ़ गई है। घाटों की सफाई और सजावट का कार्य भी जारी है। छठ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि लोक आस्था, शुद्धता, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामाजिक समरसता का अनुपम पर्व है। इस महापर्व में परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और लोककल्याण की कामना के साथ भगवान सूर्य एवं छठी मइया की आराधना की जाती है।

पीयूष गोयल 15-16 नवंबर को मिस्र के दौरे पर, 130 से अधिक उद्योग प्रतिनिधि भी जाएंगे



नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 15 और 16 नवंबर को मिस्र के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति की सातवीं बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाने के साथ औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा होगी। उनके साथ 130 से अधिक उद्योग प्रमुखों और स्टार्टअप प्रतिनिधियों का उच्चस्तरीय भारतीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी मिस्र जाएगा।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, काहिरा में 15 नवंबर को होने वाली संयुक्त व्यापार समिति की बैठक की सह-अध्यक्षता पीयूष गोयल और मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री डॉ. मोहम्मद फरीद सालेह करेंगे। इस समिति को मंत्री स्तर पर उन्नत किया गया है। बैठक में द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों की प्रगति की समीक्षा के साथ व्यापार के दायरे को बढ़ाने और विविधता लाने के उपायों पर चर्चा होगी। बैठक में बाजार तक पहुंच, गैर-शुल्क बाधाएं, व्यापार उपचार, कृषि एवं खाद्य उत्पाद, औषधि एवं स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग सामान, रसायन एवं पेट्रोकेमिकल, उर्वरक, कपड़ा, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, सीमा शुल्क सहयोग, सेवाएं, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, परिवहन और लॉजिस्टिक्स जैसे विषय शामिल होंगे।

डाक सेवाओं के दुरुपयोग की कोशिश नाकाम, विदेश से आए पार्सल से 10.8 किलो मादक पदार्थ जब्त



एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने दिल्ली स्थित विदेशी डाकघर में एक यूरोपीय देश से आए संदिग्ध डाक पार्सल से 10.8 किलोग्राम एम्फेटामिन नामक प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किया है। डीआरआई के अनुसार इस कार्रवाई के जरिए अंतरराष्ट्रीय तस्करी सिंडिकेट द्वारा वैध डाक सेवाओं के दुरुपयोग की कोशिश को नाकाम किया गया है।

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि डीआरआई के अधिकारियों को मिली विशेष सूचना के आधार पर संदिग्ध पार्सल की जांच की गई। पार्सल यूरोपीय देश से आया था और उसमें कपड़े (क्लेरन) होने की घोषणा की गई थी। शुरूआती जांच में डिब्बे के भीतर सामान्य घरेलू कपड़े मिले। हालांकि, पैकेजिंग की बारीकी से जांच करने पर डिब्बे की चारों तरफ की दीवारों में प्लास्टिक के दो-दो पाउच छिपे मिले। इस तरह कुल आठ पैकेट बरामद किए गए। इनमें गुलाबी रंग का पाउडर था, जिसकी जांच में एम्फेटामिन होने की पुष्टि हुई।

डीआरआई ने स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस)-1985 के प्रावधानों के तहत सभी आठ पैकेट जब्त कर लिए हैं। मामले की आगे जांच जारी है।

नेपाल के गोरखा में बड़ा सूखा भूस्खलन, बूढ़ी गंडकी नदी में बाढ़ का फिलहाल खतरा नहीं

एजेंसी



काठमांडू। नेपाल के गोरखा जिले के धार्चे स्थित ठाडो भर्याङ के जंगल क्षेत्र में बड़ा सूखा भूस्खलन हुआ है। भूस्खलन के बाद कुछ पत्थर और मलबे बूढ़ी गंडकी नदी में गिरे हैं, हालांकि फिलहाल नदी का प्रवाह अवरुद्ध होने का खतरा नहीं है। गांवपालिका के अध्यक्ष लक्ष्मण गुरुङ ने बताया कि भूस्खलन स्थल एक विस्तृत और ढलान वाले पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है। इसलिए तत्काल किसी तरह का जोखिम नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भूस्खलन के कारण बूढ़ी गंडकी नदी के अवरुद्ध होने की आशंका नहीं है। अध्यक्ष गुरुङ ने कहा, ₹बूढ़ी गंडकी नदी में थोड़ी मात्रा में ही पत्थर और मलबा पहुंचा है। फिलहाल नदी का रास्ता बंद होने की स्थिति नहीं है। आगे और मलबा आने पर अलग बात है। भूस्खलन वाला स्थान खुला और विस्तृत ढलान वाला क्षेत्र है इसलिए ऐसी कोई आशंका नहीं है। गोरखा जिला पुलिस कार्यालय ने भी उक्त स्थान पर सूखा भूस्खलन होने की पुष्टि की है। गोरखा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अनिल कुमार खड्का ने बताया कि धार्चे गांवपालिका के ठाडो भर्याङ में धूल के साथ बड़ा भूस्खलन हुआ है। इस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। भूस्खलन से उठी धूल सड़क तक पहुंच गई है लेकिन बूढ़ी गंडकी नदी के अवरुद्ध होने का कोई खतरा नहीं है। एसपी खड्का के अनुसार, भूस्खलन स्थल का निरीक्षण करने के लिए पुलिस की एक टीम रवाना हो रही है। उन्होंने बताया कि आज सुबह करीब 9 बजे अचानक सूखा भूस्खलन हुआ।

सोशल मीडिया पोस्ट मामले में अभिषेक बनर्जी को पुलिस ने किया तलब, भवानीपुर थाने में पेश होने का निर्देश

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सोशल मीडिया पर एक विवादित पोस्ट को लेकर पुलिस ने डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक बनर्जी को तलब किया है। उन्हें भवानीपुर थाने में हाजिर होने का निर्देश दिया गया है। यह मामला उनके द्वारा 2 मई को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर किए गए एक पोस्ट से जुड़ा है। आरोप है कि इस पोस्ट में उन्होंने देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर अभद्र टिप्पणी की थी। इसी पोस्ट के आधार पर 27 मई को उनके खिलाफ भवानीपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी और अब पुलिस इस मामले में उनसे पूछताछ करना चाहती है। अभिषेक बनर्जी के पोस्ट पर आपत्ति जताते हुए भवानीपुर के निवासी अर्णब कांति दास ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि अभिषेक ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अभद्र टिप्पणी कर सोशल मीडिया के माध्यम से नफरत फैलाई। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने सांसद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। अभिषेक पर समाज में नफरत फैलाने, हिंसा भड़काने, अशांति पैदा करने की कोशिश, राज्य के खिलाफ अपराध के लिए उकसाने और अफवाह फैलाने जैसी गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता का दावा है कि अभिषेक की इस टिप्पणी से देश के सांप्रदायिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंच सकता है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि एक सांसद के रूप में संविधान की संप्रभुता और देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने की शपथ लेने के बावजूद अभिषेक ने पूरे 'गुजराती' समुदाय को एक 'गैंग' या अपराधी गिरोह कहकर अपमानित किया है।

भारत ने अफ्रीका-एशिया के साथ कृषि सहयोग को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने अफ्रीका और एशिया के देशों के साथ कृषि अनुसंधान, आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्र में सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। जाम्बिया की राजधानी लुसाका में 12-14 नवंबर तक आयोजित अफ्रो-एशियन रूरल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (एएआरडीओ) की तकनीकी कार्यक्रम समिति (टीपीसी) की सातवीं बैठक में भारत की ओर से कृषि क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को व्यापक बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और एएआरडीओ के बीच लंबे समय से चले आ रहे सहयोग की उपलब्धियों को भी रेखांकित किया गया। आईसीएआर के सहायक महानिदेशक (अंतरराष्ट्रीय संबंध) डॉ. नवीन पी. सिंह ने बताया कि एएआरडीओ के साथ आईसीएआर की 17 वर्षों की साझेदारी के तहत परिषद के 11 संस्थानों के माध्यम से अब तक 51 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इन कार्यक्रमों से एएआरडीओ के सदस्य देशों के 900 से अधिक प्रतिभागी लाभान्वित हुए हैं। यह सहयोग कृषि क्षेत्र में ज्ञान, कौशल और आधुनिक तकनीकों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

बैठक का एक प्रमुख आकर्षण आईसीए आरझएए आरडीओ के बीच प्रस्तावित समझौता ज्ञापन (एमओयू) रहा, जिसका उद्देश्य मौजूदा प्रशिक्षण गतिविधियों से आगे बढ़कर आठ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करना है। इसके तहत संयुक्त कृषि अनुसंधान, विशेषज्ञों का आदान-प्रदान, पादप आनुवंशिक संसाधनों का साझा उपयोग, कृषि प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण तथा शैक्षणिक सहयोग जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे दोनों क्षेत्रों के देशों को कृषि अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में एक-दूसरे के अनुभवों और विशेषज्ञता का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा।

आईसीएआर की ओर से इस साझेदारी को व्यवस्थित और परिणामोन्मुख बनाने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना (रोडमैप) भी प्रस्तावित की गई। इसमें राष्ट्रीय समन्वय केंद्रों की पहचान एवं स्थापना, संयुक्त कार्ययोजनाओं का निर्माण, वर्ष 2027 के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कैलेंडर तैयार करना तथा सहयोग की प्रगति की समय-समय पर समीक्षा के लिए संयुक्त कार्य समूह का गठन शामिल है।

मेकेदातु बांध विवाद : एमके स्टालिन ने मुख्यमंत्री विजय को पत्र लिखकर की तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बयान पर जताई कड़ी आपत्ति-कहा- कावेरी के अधिकारों की रक्षा के लिए राजनीतिक एकजुटता जरूरी

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु में मेकेदातु बांध के निर्माण को लेकर विवाद एक बार फिर गहरा गया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बयान की कड़ी निंदा करते हुए द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को पत्र लिखा है। उन्होंने राज्य के कावेरी जल अधिकारों की रक्षा के लिए तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलाने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर इस मुद्दे पर राज्य का विरोध दर्ज कराने की मांग की है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने 13 नवंबर को मैसूर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम में कहा था कि मेकेदातु बांध का निर्माण होकर रहेगा और इसे कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने यह भी दावा किया था कि उच्चतम न्यायालय का रुख इस मामले में अनुकूल है। शिवकुमार के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए स्टालिन ने कहा कि इससे तमिलनाडु के किसानों में भारी आक्रोश और चिंता पैदा हुई है। स्टालिन ने मुख्यमंत्री विजय को लिखे पत्र में कहा कि कावेरी केवल जल बंटवारे का मुद्दा नहीं है, बल्कि ऐतिहासिक और भावनात्मक रूप से तमिल लोगों के जीवन से जुड़ी हुई है। डेल्टा क्षेत्र के किसानों की आजीविका पूरी तरह इस नदी पर निर्भर है। ऐसे में तमिलनाडु सरकार मेकेदातु बांध के मुद्दे पर चुप नहीं रह सकती।

उन्होंने कहा कि कावेरी जल अधिकारों के मामले में तमिलनाडु का रुख हमेशा स्पष्ट रहा है। कर्नाटक के साथ बातचीत के बजाय कानूनी तरीके से अपने अधिकार हासिल करना ही राज्य की नीति रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री विजय के पद संभालने के बाद कर्नाटक जाकर वहां की सरकार से इस मुद्दे पर बातचीत करने की खबरों ने किसानों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा की थी। उस दौरे को लेकर न तो पारदर्शिता बरती गई और न ही कोई आधिकारिक घोषणा की गई। मंत्रियों के विरोधाभासी बयानों ने भी असमंजस बढ़ाया।

स्टालिन ने पत्र में कर्नाटक के मुख्यमंत्री के उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि बातचीत के लिए तमिलनाडु सरकार की ओर से संपर्क किया गया था, कर्नाटक की ओर से नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि बाद में कर्नाटक के कुछ संगठनों के विरोध के बाद शिवकुमार ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को कर्नाटक नहीं आना चाहिए। स्टालिन के अनुसार, ये घटनाएं तमिलनाडु के लोगों को स्वीकार्य नहीं हैं।

डीएमके अध्यक्ष ने कहा कि जब कावेरी के मुद्दे पर कर्नाटक के सभी राजनीतिक दल एकजुट होकर आवाज उठा रहे हैं, तो तमिलनाडु के राजनीतिक दलों को भी किसानों के हितों की रक्षा के लिए एकजुटता दिखानी चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि मेकेदातु बांध निर्माण का मुद्दा मध्यस्थता न्यायाधिकरण के समक्ष उठाने के प्रस्ताव के समय भी विधानसभा में विपक्ष के नेता ने सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की थी। उस बैठक में पारित प्रस्ताव को विधायकों और सांसदों के माध्यम से प्रधानमंत्री को सौंपने की बात भी कही गई थी।

स्टालिन ने अपने पत्र में कहा कि कर्नाटक की ओर से मेकेदातु बांध के निर्माण को लेकर लगातार दिए जा रहे बयानों के बाद तमिलनाडु सरकार को अब और चुप नहीं रहना चाहिए। राज्य में राजनीतिक एकजुटता प्रदर्शित करने और कर्नाटक के बयान के प्रति विरोध दर्ज कराने के लिए तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलाई जानी चाहिए।

उन्होंने यह भी मांग की कि बैठक में पारित प्रस्तावों के साथ मेकेदातु बांध के विरोध में जून महीने में तमिलनाडु विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित सरकारी विशेष प्रस्ताव को सभी विधानसभा दलों के नेताओं और सांसदों के प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सौंपने की व्यवस्था की जाए।

स्टालिन ने पत्र में कहा कि कावेरी जल अधिकारों के मामले में व्यक्तिगत पसंद-नापसंद और राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर सभी दलों को एकजुट रहना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि तमिलनाडु सरकार राजनीतिक दलों और किसान समुदाय की मांग पर ध्यान देते हुए तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलाने की घोषणा करेगी।

न्यूज IN ब्रीफ

मध्य प्रदेश के खरगोन में 25 दिन में दूसरी बार भूकंप, 4.5 रही तीव्रता, घरों से बाहर निकले लोग



भोपाल/खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में शनिवार सुबह एक बार फिर भूकंप के झटकों से लोग सहम गए। पिछले 25 दिनों के भीतर जिले में दूसरी बार धरती कांपी है। सुबह करीब 9:15 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.5 दर्ज की गई। करीब 3 से 4 सेकंड तक जमीन में कंपन महसूस हुआ। अचानक आए झटकों के बाद लोग घरों से बाहर निकल आए, जबकि स्कूलों में एहतियात के तौर पर बच्चों को भवनों से निकालकर खुले मैदान में पहुंचाया गया। भूकंप का केंद्र मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा से लगे सतपुड़ा क्षेत्र में बताया गया है। यह खरगोन जिला मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर दूर और जमीन से करीब 10 किलोमीटर नीचे था। झटकों का असर खरगोन के अलावा सेंधवा, खंडवा, बुरहानपुर और भीकनगांव के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी महसूस किया गया। खरगोन जिले में इससे पहले 18 अक्टूबर को दोपहर 12:14 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। उस समय इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.1 दर्ज की गई थी। तब भी भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर नीचे था। अब 25 दिन के भीतर दूसरी बार कंपन होने से क्षेत्र के लोगों में चिंता देखी जा रही है। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी के अनुसार, खरगोन में भूकंप के बाद शनिवार सुबह 10:29 बजे लेह-लद्दाख क्षेत्र में भी भूकंप आया। वहां इसकी तीव्रता 3.9 दर्ज की गई। सुबह अचानक धरती में कंपन होने से लोग घबरा गए। स्थानीय निवासी दीपक कानूनगो, प्रभुराम मालवी और बसंत सोनी ने बताया कि घरों के भीतर रखे सोफे अपनी जगह से खिसकने लगे। कंपन महसूस होते ही वे परिवार के सदस्यों के साथ तत्काल घरों से बाहर निकल आए। सनावद रोड स्थित अविसंस स्कूल में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। स्थिति को देखते हुए शिक्षकों ने बच्चों को स्कूल भवन से बाहर निकालकर मैदान में पहुंचाया। इसके बाद विद्यार्थियों को भूकंप के दौरान सुरक्षित रहने और बचाव के तरीकों की जानकारी दी गई। खरगोन एसडीएम सत्येंद्र बैरवा ने बताया कि जिले के कई क्षेत्रों से भूकंप के झटके महसूस होने की सूचनाएं मिली हैं। प्रशासन की ओर से अलग-अलग स्थानों से जानकारी जुटाई गई है। फिलहाल कहीं से भी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील की है।

जमीन विवाद में हत्या, छानबीन में जुटी पुलिस

भागलपुर। जिले में जमीन विवाद ने एक बार फिर खून के रिश्ते को शर्मसार कर दिया। बबरगंज थाना क्षेत्र के अलीगंज महेशपुर स्थित कबीर आश्रम के पास शनिवार की सुबह गोलियों की तड़तड़ाहट से इलाका दहल उठा। यहां अपराधियों ने नंदलाल यादव उर्फ नंदू यादव की गोली मारकर हत्या कर दी।मृतक की पत्नी ने अपने ही देवर शंभू यादव पर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार, नंदलाल यादव शनिवार की सुबह अपने घर से चाय पीने के लिए पास की दुकान पर जा रहे थे।इसी दौरान घर से महज 50 मीटर की दूरी पर घात लगाए हमलावर ने उन पर ताबड़तोड़ तीन गोलियां चला दीं। गोली सिर और पेट में लगने से नंदलाल यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही मुख्यालय डीएसपी मोहम्मद अयूब, बबरगंज, मोजाहिदपुर और हबीबपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। इसके साथ ही एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पत्नी झूना देवी ने अपने देवर शंभू यादव पर हत्या का सीधा आरोप लगाया है। उनका कहना है कि गोली चलने की आवाज सुनकर जब वह घर से बाहर दौड़ीं तो उन्होंने शंभू यादव को गोली मारकर भागते हुए देखा। झूना देवी के मुताबिक, दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि शंभू यादव इससे पहले भी उनके पति की हत्या की कोशिश कर चुका था। इस संबंध में थाने में आवेदन भी दिया गया था, लेकिन उनके अनुसार पुलिस की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। पत्नी ने यह भी दावा किया कि उनके पति ने शंभू यादव को सात लाख रुपये कर्ज दिए थे। इधर, घटना को लेकर मुख्यालय डीएसपी मोहम्मद अयूब ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक की पत्नी की ओर से लगाए गए आरोपों के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं और मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। फिलहाल इस सनसनीखेज हत्याकांड में पत्नी के आरोपों की पुलिस जांच कर रही है।

असम: काजीरंगा सड़क हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 26 हुई, 23 की शिनाख्त, सीएम करेंगे घटनास्थल का दौरा

काजीरंगा (असम)। काजीरंगा सड़क दुर्घटना के मृतकों की संख्या 26 हो गयी है। शनिवार सुबह इलाज के दौरान एक युवती की जोरहाट मेडिकल कालेज एंड अस्पताल (जेएमसीएच) में मौत हो गयी। जिसकी पहचान लक्ष्मी माझी के रूप में की गयी है। हादसे में जान गंवाने वाले 26 लोगों में से 23 लोगों की शिनाख्त होने की जानकारी सामने आई है। मृतकों की पहचान दीपांजलि रंगफारपि, ज्योति माझी, अनुराग गोवाला, दामिनी घटोवाल, बेबी कर्मकार, दर्पना माझी, सुभाष दास, चालक अब्दुल मजिद, पूर्णिमा गोवाला, अब्दुल रसीद अली, फाइजुल इस्लाम, फरहाना यास्मिन, सुनिल भूमिज, हाइजुल इस्लाम, रंजिता घटोवाल, मुहम्मद रफिक, गंगा गोवाला, मुहम्मद अली, फारूक अहमद, गोलापी बेगम, मीना मिराज, दीपक गुरुंग के अलावा जेएमसीएच में आज सुबह लक्ष्मी माझी के रूप में हुई है। असम के काजीरंगा नेशनल पार्क के पास शुक्रवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। जहां एक मिनी बस और कंटेनर ट्रक की आमने-सामने टक्कर में 26 लोगों की मौत हो गई। हादसे में घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। हादसे में 23 लोगों की मौत घटनास्थल एवं गोलाघाट जिला के कहरा अस्पताल में शुक्रवार को हुई थी। जबकि, जेएमसीएच में बीती रात तक दो एवं आज सुबह एक युवती की मौत हुई। बताया गया है कि जेएमसीएच में सात गंभीर रूप से घायलों का आईसीयू में इलाज चल रहा था। जेएमसीएच में कुल कितने घायलों का इलाज चल रहा है, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। अपुष्ट सूत्रों के अनुसार लगभग 20 घायलों को जेएमसीएच में भर्ती कराया गया था।



एच एम प्ले स्कूल चुटिया में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न





रांची। एच एम प्ले स्कूल द्वारिका पूरी, चुटिया में आज वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिनके मुख्य अतिथि आरती कुमारी, पार्षद,वार्ड नं 46 और विशिष्ट अतिथि गणेश कुमार, सेवानिवृत सैनिक थे। मुख्य अतिथि आरती कुमारी ने बच्चों और अभिभावकों को संबोधन में कहा कि छात्रों को पढ़ाई के साथ खेलकूद भी बहुत जरूरी है, अभी के समय बच्चे टी वी , मोबाइल में उलझे हुए रहते हैं उनका शारीरिक विकास रुक सा गया है। इसलिए अभिभावकों को भी बच्चों को खेलने के लिए प्रेरित करना चाहिए, इससे अनुशासन, सहभागिता, प्रतियोगी भावना बढ़ती है। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा स्व हरिहर महतो जी के छवि चित्र पर दीप प्रज्वलित और माल्यार्पण कर किया गया। मुख्य अतिथि आरती कुमारी फीता काट कर कार्यक्रम का शुभारंभ की। इनके साथ विद्यालय के प्राचार्य अरविंद कुमार, विशिष्ट अतिथि गणेश कुमार , शंकर कुमार, रणधीर सिंह, मनीषा, सुप्रभा, अंजली, सती, अनामिका, शोभा, संतोष कुमार सिन्हा, प्रमोद कुमार थे। प्रतियोगिता वर्ग अनुसार किया गया, प्री नर्सरी के बच्चों को बिस्किट रेस, पॉप द बैलून, कलेक्ट बॉल्स इन द बकेट रखा गया। नर्सरी वर्ग के लिए पिक एंड कलेक्ट बॉल्स इन द बकेट हूप रन चैलेंज,पेपर प्लेट बॉल बैलेंस, प्रेप क्लास के लिए फ्रोग रेस, मेक पिरामिड, बोल बैलेंस, बोतल में पानी भरो प्रतियोगिता रखा गया। वर्ग प्रथम एवं द्वितीय के लिए बॉल पकड़ो, स्पून रेस, ग्लास बैलेंसिंग, बुक बैलेंसिंग, वर्ग तृतीय और चतुर्थ के छात्रों के लिए रिले रेस, थ्री लेग रेस, स्किपिंग रेस, बैलेंस एंड कलेक्ट बॉल, मूव द बैलेंस प्रतियोगिता रखा गया। सभी प्रथम द्वितीय और तृतीय आने वाले छात्रों को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल और सर्टिफिकेट साथ साथ दिया गया। कार्यक्रम का संचालन सुप्रभा, स्वागत भाषण मनीषा, धन्यवाद ज्ञापन काजल कुमारी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अंजली, अनामिका, सती, शोभा, जया, ज्योति, रश्मि, झिलिक, रीता रानी, खुशबू कुमारी और प्राचार्य अरविंद कुमार का रहा।









